राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 31 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–273 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साजिश या हादसा! अंकिता हत्याकांड से मुख्य आरोपी के रिजॉर्ट में फिर लगी आग, उठे कई सवाल

ऋषिकेश। अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपी भाजपा नेता के बेटे पुलकित आर्य के गंगापुर स्थित वनतंत्रा रिजॉर्ट में रविवार सुबह संदिग्ध हालत में आग लग गई। रिजॉर्ट में लगी आग का वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। अंकिता हत्याकांड के बाद से रिजार्ट बंद पड़ा हुआ है। रिजॉर्ट में आग लगने के बाद कई सवाल भी उठ रहे हैं। रिजॉर्ट में आग की सूचना पाकर आनन-फानन में लक्ष्मणझूला पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी मौके के लिए रवाना हुए। फिलहाल पुलिस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट कहने की स्थिति में होगी। मालूम हो कि अंकिता हत्याकांड के बाद रिजॉर्ट में अचानक बुलडोजर की कार्रवाई पर भी कई सवाल खड़े हुए थे। अंकिता हत्याकांड का मामला सुर्खियों पर आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसआईटी का गठन किया था। मुख्य आरोपी पुलकित आर्य सहित तीनों आरोपियों को एसआईटी ने पुलिस रिमांड में भी लिया था। हत्याकांड की जांच कर रही एसआईटी ने दावा किया था कि हत्याकांड से जुड़े कई साक्ष्य जांच टीम को मिले हैं।

महिला संगठनों ने अंकिता हत्याकांड पर उठाए कई सवाल -उत्तराखंड महिला मंच के नेतृत्व में देश के विभिन्न महिला संगठनों से जुड़ी कार्यकर्ताओं ने अंकिता की हत्या के मामले में अपनी शुरुआती जांच में प्रशासनिक लापरवाही के साथ हत्यारोपियों को राजनीतिक संरक्षण देने का आरोप लगाया। इन महिला संगठनों ने कई जगह अंकिता हत्याकांड की तह तक जाने का प्रयास किया। उत्तराखंड महिला मंच की संस्थापक सदस्य उमा भट्ट ने बताया कि इस वारदात के बाद से राज्यभर में जो माहौल बना, उससे यह लगा कि कामकाजी महिलाओं का घर से बाहर जाकर नौकरी करना असुरक्षित है।

पीएम मोदी देशवासियों को दी छठ पर्व की शुभकामनाएं, कहा–यह त्योहार स्वच्छता पर जोर देता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने मासिक प्रोग्राम मन की बात में देश को संबोधित किया। मन की बात का यह 94वां एपिसोड है। पीएम ने सबसे पहले देश वासियों को छठ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह त्योहार स्वच्छता पर जोर देता है। इसके बाद उन्होंने ने सोलर एनर्जी, स्पेस सेक्टर, स्टूडेंट पावर पर भी बात की।

पीएम ने कहा कि आज देश के कई हिस्सों में सूर्य उपासना का महापर्व छठ मनाया जा रहा है। छठ पर्व का हिस्सा बनने के लिए लाखों श्रद्धालु अपने गांव, अपने घर, अपने परिवार के बीच पहुंचे हैं। मेरी प्रार्थना है कि छठ मैया सबकी समृद्धि, सबके कल्याण का आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि सूर्य उपासना की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि हमारी संस्कृति, हमारी आस्था का, प्रकृति से कितना गहरा जुड़ाव है। इस पूजा के जरिए हमारे जीवन में सूर्य के प्रकाश का महत्व समझाया गया है। साथ ही ये सन्देश भी दिया गया है कि उतार-चढ़ाव, जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

छठ का पर्व एक भारत-श्रेष्ठ भारत का उदाहरण-उन्होंने कहा कि छठ का पर्व एक भारत-श्रेष्ठ भारत% का भी उदाहरण है। आज बिहार और पूर्वांचल के लोग देश के जिस भी कोने में हैं, वहां धूमधाम से छठ का आयोजन हो रहा है। दिल्ली, मुंबई समेत महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों और गुजरात के कई हिस्सों में छठ का बड़े पैमाने पर आयोजन होने लगा है। पहले गुजरात में उतनी छठ पूजा नहीं होती थी, लेकिन समय के साथ आज करीब-करीब पूरे गुजरात में छठ पूजा के रंग नजर आने लगे हैं। ये देखकर मुझे भी बहुत खुशी होती है। आजकल हम देखते हैं, विदेशों से भी छठ पूजा की कितनी भव्य तस्वीरें आती हैं। भारत सोलर एनर्जी से बिजली बनाने वाले बड़े देशों में शामिल सोलर एनर्जी का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि सूर्य देव का ये वरदान है - सौर ऊर्जा। सोलर एनर्जी आज एक ऐसा विषय है, जिसमें पूरी दुनिया अपना भविष्य देख रही है और भारत के लिए तो सूर्य देव सदियों से उपासना ही नहीं, जीवन पद्धति के भी केंद्र में रह रहे हैं। भारत, आज अपने पारंपरिक अनुभवों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ रहा है, तभी, आज हम, सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गए हैं। सौर ऊर्जा से कैसे हमारे देश के गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन में बदलाव आ रहा है, वो भी अध्ययन का विषय है।

देश का पहला सूर्य गांव गुजरात का मोढेरा–पीएम ने कहा कि आपने कुछ दिन पहले, देश के पहले सूर्य गांव- गुजरात के मोढेरा की खूब चर्चा सुनी होगी। मोढेरा सूर्य ग्राम के ज्यादातर घर, सोलर पावर से बिजली पैदा करने लगे हैं। अब वहां के कई घरों में महीने के आखिर में बिजली का बिल नहीं आ रहा, बल्कि, बिजली से कमाई का चेक आ रहा है। पीएम ने यहां के लोगों से भी बात की।

पीएम ने स्पेस में लॉन्च हुई 36 सैटेलाइट्स के लिए बधाई दी

पीएम ने कहा कि हमारा देश, सोलर सेक्टर के साथ ही स्पेस सेक्टर में भी कमाल कर रहा है। पूरी दुनिया, आज भारत की उपलब्धियां देखकर हैरान है। भारत ने एक साथ 36 सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में स्थापित किया है। दीपावली से ठीक एक दिन पहले मिली ये सफलता एक प्रकार से ये हमारे युवाओं की तरफ से देश को एक स्पेशल दिवाली गिफ्ट है। मोदी ने कहा कि मुझे वो पुराना समय भी याद आ रहा है, जब भारत को क्रायोजेनिक रॉकेट टेक्नोलॉजी देने से मना कर दिया गया था। लेकिन भारत के वैज्ञानिकों ने ना सिर्फ स्वदेशी टेक्नोलॉजी विकसित की बल्कि आज इसकी मदद से एक साथ दर्जनों सैटेलाइट्स अंतरिक्ष में भेज रहा है। इस लॉन्चिंग के साथ भारत ग्लोबल कमर्शियल मार्केट में एक मजबूत प्लेयर बनकर उभरा है। इससे, अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के लिए अवसरों के नए द्वार भी खुले हैं। भारत में पहले स्पेश सेक्टर, सरकारी व्यवस्थाओं के दायरे में ही सिमटा हुआ था। जब ये स्पेस सेक्टर भारत के युवाओं के लिए, भारत के प्राइवेट सेक्टर के लिए खोल दिया गया तब से इसमें क्रांतिकारी परिवर्तन आने लगे हैं।

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर पहली बार बोलीं मायावती, बीजेपी को लेकर किया यह दावा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुजरात और हिमाचल में होने वाले विधानसभा चुनाव पहले यूनिफॉर्म सिविल कोड पर प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने भाजपा पर निशाना साधा है। मायावती ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि विवादित और विभाजनकारी मुद्दों की तरह समान नागरिक संहिता को चुनावी मुद्दा बना रहीं है। इससे प्रतीत हो रहा है कि बीजेपी की हालत ठीक नहीं है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि यूपी व अन्य राज्यों में भी रोजगार व विकास के बजाय बीजेपी द्वारा विवादित एवं विभाजनकारी मुद्दों की तरह समान नागरिक संहिता को चुनावी मुद्दा बनाना खास बात नहीं, किन्तु गुजरात में इसको चुनावी मुद्दा बनाने से इस आम चर्चा को बल मिलता है कि वहां बीजेपी की हालत वास्तव में ठीक नहीं है।

मायावती ने कहा कि केन्द्र ने अभी हाल में स्वंय माननीय सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि यूनिफार्म सिविल कोड के मामले पर कोई निर्णय अभी न किया जाए क्योंकि इसे वह 22वें लॉ कमीशन को सौंपेगी, तो फिर गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐसा क्या होने जा रहा है जिससे बीजेपी विचलित है व झुक रही है।

कहां जा रहा चंदा?

उन्होंने कहा कि चुनाव को प्रभावित करने के

लिए जनता की नजर से अज्ञात श्रोतों से प्राप्त अकूत धन का इस्तेमाल कितना उचित? ताजा आंकड़े बताते हैं कि गुजरात व हिमाचल विधानसभा आमचुनाव से पहले चुनावी बाण्ड की गुप्त फण्डिंग की मार्फत 545 करोड़ रुपये के चन्दे दिए गए हैं। यह धन कहां जा रहा है?

जम्मू-कश्मीर में 2019 के बाद 30 हजार लोगों की लगी सरकारी नौकरीः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जम्मू-कश्मीर रोजगार मेले को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में 20 अलग-अलग जगहों पर 3 हजार युवाओं को सरकार में काम करने के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी युवाओं को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आने वाले दिनों में दूसरे अन्य विभागों में भी 700 से ज्यादा नियुक्ति पत्र देने की तैयारी जोरों पर है। 21वीं सदी का यह दशक जम्मू-कश्मीर के इतिहास का सबसे अहम दशक है। हमें नई सोच के साथ काम करना है। जम्मू-कश्मीर अब नई व्यवस्थाओं में निरंतर विकास को आगे बढ़ा रहा है। प्रदेश में 2019 से अब तक 30,000 सरकारी पदों पर भर्ती हुई है। इनमें से करीब 20,000 नौकरियां बीते साल में दी गई हैं।

● **हमें नई सोच के साथ काम करना है। जम्मू-कश्मीर अब नई व्यवस्थाओं में निरंतर विकास को आगे बढ़ा रहा है। प्रदेश में 2019 से अब तक 30,000 सरकारी पदों पर भर्ती हुई है। इनमें से करीब 20,000 नौकरियां बीते साल में दी गई हैं।**

नई संभावनाओं का लाभ उठाने का समय

नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब समय पुरानी चुनौतियों को पीछे छोड़कर नई संभावनाओं का लाभ उठाने का है। यह हमारे युवा ही हैं जो जम्मू कश्मीर में विकास की नई गाथा लिखेंगे। आज इस प्रदेश में रोजगार मेले का आयोजन बहुत विशेष है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उसने टूरिज्म सेक्टर को भी मजबूत किया है।

भ्रष्टाचार से नफरत करते हैं यहां के लोग

पीएम मोदी ने कहा कि यहां के लोगों ने हमेशा पारदर्शिता पर बल दिया है। आज जो नौजवान सरकारी सेवाओं में आ रहे हैं, उन्हें पारदर्शिता को अपनी प्राथमिकता बनाना है। उन्होंने कहा, मैं पहले जब भी जम्मू-कश्मीर के लोगों से मिलता था, उनका एक दर्द हमेशा महसूस करता था। ये दर्द था... व्यवस्थाओं में भ्रष्टाचार। जम्मू-कश्मीर के लोग भ्रष्टाचार से नफरत करते हैं।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा अपडेट

इलेक्शन कमीशन अगले हफ्ते कर सकता है तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग इस सप्ताह गुजरात के आगामी विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। आयोग ने इस महीने की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों की तारीखों के साथ गुजरात के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा नहीं की थी। इसे लेकर 2017 में अपनाई गई परंपरा का हवाला दिया गया था।

हिमाचल में 12 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 8 दिसंबर को की जाएगी। आयोग ने हिमाचल प्रदेश के लिए मतगणना की तारीख को मतदान के करीब 1 महीने बाद रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया था कि गुजरात चुनाव के वोटों की गिनती भी 8 दिसंबर को होगी।

एक साथ होगी गुजरात-हिमाचल चुनाव की मतगणना?–2017 में दोनों राज्यों में अलग-अलग तारीखों पर चुनाव की घोषणा की गई थी, लेकिन मतगणना 18 दिसंबर को एक साथ हुई थी। दरअसल, गुजरात में बाढ़ के चलते निर्वाचन आयोग

को राज्य में हिमाचल चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद मतदान कराना पड़ा था। गुजरात और हिमाचल प्रदेश में साल 1998, 2007 और 2012 में एक साथ चुनाव हुए थे। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को समाप्त हो रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा के बीच राहुल गांधी ने लगाई रेस, डांडिया डांस भी किया

नई दिल्ली। कांग्रेस की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा का पड़ाव इस वक्त तेलंगाना में है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी के अलग-अलग रंग नजर आ रहे हैं। उनका युवाओं के साथ रेस लगाता एक वीडियो सामने आया। एक मिनट लंबे वीडियो में पहले राहुल युवाओं से कहते हैं-रेस लगाओगे और इतना कहते ही दौड़ पड़ते हैं। वीडियो पर लोग रिएक्शन दे रहे हैं। 52 बसंत पार कर चुके राहुल गांधी की फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक नया वीडियो सामने आया है। रविवार सुबह तेलंगाना के गोलापल्ली में राहुल गांधी यात्रा के दौरान युवाओं के साथ रेस लगाते हुए नजर आ रहे हैं। एक मिनट

लंबे वीडियो में राहुल सभी को पीछे छोड़ देते हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायर हो रहा है। लोग राहुल गांधी की फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं। कह रहे हैं कि 52 साल की उम्र में भी राहुल गांधी की हेल्थ काबिले-तारीफ है।

क्या कहा राहुल ने

भीड़ के बीच में चलते हुए राहुल गांधी पूछते हैं- रेस लगाओगे? फिर 52 वर्षीय नेता दूसरों को पीछे छोड़ते हुए भागते नजर आते हैं। सिर्फ लड़के ही नहीं बल्कि भीड़ के अन्य लोग भी उनके साथ दौड़ रहे हैं। लड़कों को अपने साथ पकड़ने देने के लिए राहुल गांधी फिर धीमे हो जाते हैं। भीड़ में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी भी हैं।

सामूहिक नृत्य प्रदर्शन में शामिल हुए राहुल–कुछ ही समय बाद, राहुल गांधी और जयराम रमेश सामूहिक नृत्य प्रदर्शन के लिए कुछ लोगों के साथ शामिल हुए। उन्हें डंडिया के साथ नाचते हुए देखा जा सकता है। राहुल का यह वीडियो आदिवासी नृत्य प्रदर्शन के एक दिन बाद सामने आया है। गौरतलब है कि भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु को कवर करते हुए तेलंगाना में चल रही है। जल्द ही यात्रा महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनसीपी नेता शरद पवार इसकी मेजबानी करेंगे।

दिल्ली महिला आयोग चेयरपर्सन को धमकीः स्वाति मालीवाल बोलीं– राम रहीम के अनुयायी धमका रहे, हिम्मत है तो सामने आकर गोली मारो

हिसार। दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल ने दावा किया कि डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम के अनुयायी उन्हें धमका रहे हैं। उन्हें कुछ आपत्तिजनक मैसेज भी सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। जिसमें मालीवाल के लिए अपशब्दों का प्रयोग भी किया गया है। बदले में स्वाति ने उन्हें चुनौती दी है कि हिम्मत है तो सामने से आकर गोली मारो। स्वाति ने पीएम को पत्र लिखकर पैरोल नियमों में बदलाव की मांग की है।

स्वाति मालीवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा - %जब से राम रहीम के खिलाफ आवाज उठाई है, उसके अनुयायी कह रहे हैं बाबा से बचकर रहियो। मेरी आवाज सुन लो- मेरी रक्षा भगवान करेंगे, ऐसी धमकियों से मैं नहीं डरती, सच की आवाज उठाती रहूंगी, हिम्मत है तो सामने से आकर गोली मारो। हालांकि इसके बारे में अभी राम रहीम या डेरा प्रबंधन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

पीएम को पत्र लिख चुकी

दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पैरोल और क्षमा के नियमों में बदलाव की मांग की है। पत्र में स्वाति ने लिखा कि बिल्किस

बानो के रेपिस्ट की रिहाई और राम रहीम की पैरोल ने देश की हर निर्भया का हौसला तोड़ा है। मैंने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिख क्षमा और पैरोल के नियमों में बदलाव करने का आग्रह किया है। साथ ही बिल्किस बानो के रेपिस्ट और राम रहीम को वापस जेल पहुंचाने की मांग की है।

स्वाति मालीवाल पूछ चुकी है मनोहर लाल से 5 सवाल

दिल्ली की महिला आयोग चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल ने हरियाणा सरकार को राम रहीम की 40 दिन की पैरोल को लेकर कटघरे में खड़ा किया था। स्वाति मालीवाल ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल से पूछा कि राम रहीम को ऐसा क्या जरूरी काम आ गया कि उसे पैरोल दी गई?।

मालीवाल ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल से 5 सवाल किए है। राम रहीम को पैरोल कोर्ट ने दी? यदि हां तो किस कोर्ट ने दी। आपके मंत्री ने कहा कि पैरोल आपकी सरकार के जेल विभाग का मुद्दा है तो क्या गृह मंत्री ने झूठ बोला क्या पैरोल जिला अधिकारी ने दी? पैरोल सिर्फ बहुत जरूरी कारणों पर दी जाती है, राम रहीम को क्या जरूरी काम है।जो सरकारी लोग उसके सत्संग में गए, उन पर क्या कार्यवाही होगी? क्या सरकार ने बाबा को गुड कंडक्ट प्रीजिनर माना?।

राम रहीम की भक्ति में लीन हरियाणा सरकार

स्वाति मालीवाल ने हरियाणा सरकार को राम रहीम की भक्ति में लीन बताया। राम रहीम को बलात्कारी बताते हुए स्वाति मालीवाल ने कहा कि वह एक हत्यारा और दुष्कर्मी है। हरियाणा सरकार का जब मन करता है, वे उसे पैरोल पर छोड़ देते हैं। इस बार राम रहीम पैरोल पर रह कर जगह- जगह सत्संग कर रहा है। इस सत्संग में हरियाणा के विधानसभा उपाध्यक्ष और प्रदेश के मेयर शामिल हो रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पारदर्शिता की दिशा में

प्रतिस्पर्धा आयोग ने अनुचित तौर-तरीके अपनाने के प्रति गूगल को चेताया भी है। दरअसल, गूगल अपने एप डाउनलोड करने वाले प्ले स्टोर के वर्चस्व का लाभ उठाकर तमाम एप डेवेलपर्स पर दबाव डालती रही है कि वे अपने एप से संबंधित सभी भुगतान गूगल के भुगतान प्लेटफॉर्म के जरिये ही करें। इसको लेकर प्रतिस्पर्धा आयोग ने चेतावनी दी है कि एप डेवेलपर्स को अपने पेमेंट प्लेटफॉर्म का ही प्रयोग करने को बाध्य न करे।

जुर्माने से ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को सबक/ दुनिया में बड़े डिजिटल प्लेटफार्म वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी गूगल पर एक हफ्ते के भीतर दो बार बड़ा जुर्माना लगाकर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने चेताया है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भारत में मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। साथ ही यह भी कि उसे भारतीय हितों की अनदेखी की इजाजत नहीं दी जा सकती। उम्मीद की जानी चाहिए कि दो चरणों में दो हजार दो सौ करोड़ के भारी-भरकम जुर्माने के बाद कंपनी के निरंकुश व्यवहार में कमी आयेगी। प्रतिस्पर्धा आयोग ने अनुचित तौर-तरीके अपनाने के प्रति गूगल को चेताया भी है। दरअसल, गूगल अपने एप डाउनलोड करने वाले प्ले स्टोर के वर्चस्व का लाभ उठाकर तमाम एप डेवेलपर्स पर दबाव डालती रही है कि वे अपने एप से संबंधित सभी भुगतान गूगल के भुगतान प्लेटफॉर्म के जरिये ही करें। इसको लेकर प्रतिस्पर्धा आयोग ने चेतावनी दी है कि एप डेवेलपर्स को अपने पेमेंट प्लेटफॉर्म का ही प्रयोग करने को बाध्य न करे। दरअसल, इससे पहले सीसीआई ने एंड्रॉयड मामले में अपने वर्चस्व का दुरुपयोग करने का आरोप गूगल पर लगाया था। आरोप था कि गूगल स्मार्टफोन निर्माताओं को बाध्य करती रही है कि वे प्रत्येक फोन में गूगल एप्स को अनिवार्य रूप से शामिल करें, तभी उन्हें एंड्रॉयड तकनीक के प्रयोग की इजाजत मिलेगी। गूगल की इस हरकत को सीसीआई ने बाजार में स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा कानून का अतिक्रमण बताया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी प्रतिस्पर्धा आयोग गूगल पर अन्य मामलों में सीमाएं लांघने पर जुर्माना लगा चुका है। दरअसल, पूरी दुनिया में गूगल अपने वर्चस्व के चलते अनैतिक कारोबार का सहारा ले रहा है। यही वजह है कि यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया तथा दक्षिण कोरिया समेत कई देश गूगल पर जुर्माना लगा चुके हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गूगल के वर्चस्व को तोड़ने के लिये दुनिया के तमाम देश विकल्प तलाशने की जुगत में लगे हैं। भारत में प्रतिस्पर्धा आयोग अन्य मामलों में भी गूगल की अनियमितताओं की निगरानी कर रहा है। विगत में भी विदेशों व भारत में मीडिया संस्थान नियमों का उल्लंघन करके समाचारों से मुनाफा कमाने के आरोप गूगल पर लगते रहे हैं। बाकायदा आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों ने इस बाबत जुर्माना भी वसूला है। बहरहाल, सीसीआई द्वारा गूगल पर लगाया गया जुर्माना साफ संदेश है कि वह अनुचित व्यावसायिक परिपाटियों से परहेज करे। भारत में हालिया जुर्माने उसे अमेरिकी तकनीकी दिग्गज एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस को लेकर अपने दबदबे का दुरुपयोग व एप डेवेलपर्स को भारत में तीसरे पक्ष की बिलिंग भुगतान सेवाओं को बाधित न करने के निर्देश के रूप में लगाये गये हैं। इस कार्रवाई के बाद गूगल प्रबंधन बचाव की मुद्रा में है और दलील दे रहा है कि वह इन सेवाओं के उपयोगकर्ताओं तथा डेवेलपर्स को बेहतर सेवाएं देने के लिये प्रतिबद्ध है। साथ ही यह कि उसने भारतीय मॉडल में कम लागत रखते हुए डिजिटल मुहिम में योगदान दिया है। सीसीआई की कार्रवाई का मकसद यही है कि डिजिटल डोमेन में स्वस्थ स्पर्धा का विकास हो। साथ ही बड़े खिलाड़ियों को इस बाजार में एकाधिकार करने से रोका जा सके। निस्संदेह, भारत में गूगल के लिये बड़ा बाजार है, जिसे वह गंवाना नहीं चाहेगा। उल्लेखनीय है कि देश के साठ करोड़ स्मार्टफोन में से 97 फीसदी एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम से संचालित हैं।

सूक्ति

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अत विचार ही महत्वपूर्ण है। - साईं बाबा

जीवन की भाग-दौड़ तथा उथल-पुथल में अंदर से शांत बने रहें। - दीपक चोपड़ा

लॉफिंग ज़ोन

एक कंजूस व्यक्ति पहली बार डाक्टर के पास गया. डाक्टर के कक्ष के बाहर उसकी फीस का चार्ट लगा था जिस पर लिखा था-पहली बार दिखाने पर सौ रुपये और दूसरी बार दिखाने पर 50 रुपये. उस व्यक्ति ने 50 रुपए बचाने की गरज से डाक्टर से कहा, डाक्टर साहब नमस्कार, दोबारा आपसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई. जवाब में डाक्टर हल्का सा मुस्करा दिया. उसके बाद डाक्टर ने उसका मुआयना किया. व्यक्ति ने डाक्टर से पूछा कि आखिर मुझे क्या बीमारी है?

'कुछ खास नहीं, आपको वही है जो मैं पिछले तीन बार से बताता आ रहा हूं.' डाक्टर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति गोल्फ खेल रहा था और खेलते हुए वह बार-बार दाएं-बाएं मुड़ता, झुकता और कुछ ढूंढने की कोशिश कर रहा था. उसके साथी खिलाड़ी ने झुंझलाकर पूछा कि आखिर तुम यह क्या कर रहे हो. उस व्यक्ति ने जवाब दिया कि दरअसल दूर की खिड़की से मेरी बीवी मेरा खेल देख रही है और मैं उससे यह वादा करके आया हूं कि मैं आज एक शानदार शाट लगाकर दिखाऊंगा.

'बेकार परेशान हो रहे हो. तुम कितनी भी ताकत लगा लो, यहां से शाट मारकर तुम उस खिड़की पर बैठी बीवी को गेंद से नहीं मार सकोगे.' साथी खिलाड़ी ने जवाब दिया.

राष्ट्रीय एकता के हिमायती थे सरदार पटेल

लेखक - शिवकुमार शर्मा

(31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष)

यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतरू नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चैथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतरू नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा। सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छः सौ छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते। सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आधुनिक भारत निर्माण के मुख्य शिल्पकार सरदार पटेल

(लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव)
(31 अक्टूबर सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती)

संपूर्ण भारत के लिए अदम्य शक्ति और फौलादी संकल्प के महानायक लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल आधुनिक भारत निर्माण के मुख्य शिल्पकार हैं जिन्होंने 565 देसी रियासतों का स्वतंत्र भारत में एकीकरण कर राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। इनके अतुल्य योगदान के बिना भारतीय मानचित्र का भव्य स्वरूप आज जैसा है वैसा दिखाई नहीं देता।उनके समग्र अवदान को कृतज्ञ राष्ट्र आज राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में नमन कर रहा है। वल्लभ भाई का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था।वे बचपन से कर्मठ,निर्भीक और संकल्पवान थे। उन्होंने विद्यालय में गरीब विद्यार्थी पर लगाए अनावश्यक जुर्माने, शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को उनसे ही पुस्तकें खरीदने की अनिवार्यता के विरुद्ध सफल हड़ताल की जिससे उनकी नेतृत्व और संगठन क्षमता को विशिष्ट पहचान बनी। एंट्रेंस के बाद मुख्तारी परीक्षा पास कर गोधरा में वकालत शुरू की।वे इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई करना चाहते थे किंतु अपनी इच्छा का बलिदान करते हुए बड़े भाई विट्ठल को अपने स्थान पर इंग्लैंड जाने की अनुमति दे दी । बाद में 1936 में पटेल ने इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई कर अमदाबाद में सबसे सफल बैरिस्टर के रूप में ख्याति अर्जित की। सरदार पटेल ने सरकार की अमानवीय बेगार प्रथा समाप्त कराने के बाद 1918 में खेड़ा के किसानों के लिए सत्याग्रह किया जहां भारी वर्षा व भीषण बाढ़ से किसानों की सारी फसल नष्ट हो गई थी। किन्तु सरकार ने कर वसूली स्थगित नहीं की। पटेल ने शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष का आह्वान किया और किसानों का विश्वास अर्जित करते हुए स्वयं विदेशी वस्तुओं का त्याग धोती कुर्ता टोपी पहन किसानों के बीच साथ में बैठ संघर्ष किया । अंततः वे दृढ़ संकल्प के कारण अपने उद्देश्य में कामयाब हुए। गांधीजी ने कहा यदि मुझे वल्लभभाई न मिले होते तो जो काम आज हुआ है वह नहीं होता। सन 1928 में सरदार पटेल के नेतृत्व में बारदोली में सत्याग्रह प्रारंभ हुआ । अंग्रेज सरकार ने 1927 में किसानों पर 30% लगान बढ़ा दिया। गरीबी के कारण किसान कर चुकाने की स्थिति में नहीं थे । पटेल ने निर्णय लिया कि जब तक सरकार बड़े हुए लगान की जांच कराने के लिए तैयार ना हो तब तक बिल्कुल भी लगान न दिया जाए। यदि सरकार अत्याचार करती है तो भी सारे कष्टों को सहन करते हुए आंदोलन जारी रखा जाएगा। एक ओर दमनकारी अंग्रेज सरकार तो दूसरी और भोले-भाले निहत्थे अहिंसक किसान। मुंबई गवर्नर ने किसानों पर अमानुषिक अत्याचार शुरू कर हजारों किसान गिरफ्तार कर लिये।पटेल ने कहा कि ÷गोलियों बारूद वाली अंग्रेज सरकार ढोल नगाड़े की ध्वनि से भयभीत हो गई है। आज तो सरकार जंगल में घूमने वाले उस पागल हाथी की तरह मदोन्मत हो गयी है जो अपनी चपेट में आने वाले हर किसी को कुचल डालता है।

परंतु एक भी मच्छर यदि हाथी के कान में घुस जाए तो विशालकाय शक्तिशाली हाथी भी जमीन पर गिरकर तड़पने लगता है।'पटेल ने किसानों में अद्भुत साहस का संचार किया और किसानों की संगठन शक्ति के समक्ष अंग्रेज सरकार कमजोर पड़ने गई और बड़े हुए लगान को माफ कर दिया।इस आंदोलन की चमत्कारी कामयाबी से देशवासियों में नया आत्मविश्वास, स्वाभिमान, आशा और चेतना का संचार हुआ। गांधीजी ने आंदोलन की सफलता पर बारडोली के जननायक को सरदार कहकर संबोधित किया । तभी से वे समस्त भारतीय ह्रदय के सरदार हो गए ।

सरदार पटेल बापू के सजग अनुयायी थे किंतु अंधभक्त नहीं। उन्होंने गांधी द्वारा प्रारंभ किए गए सभी आंदोलनों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । असहयोग, स्वदेशी, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन, भारतीय ध्वज फहराने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के विरुद्ध नागपुर में झंडा सत्याग्रह,नमक सत्याग्रह , रौलट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आदि में सरदार की संचालक और प्रबंधकीय भूमिका ने स्वाधीनता संघर्ष के फलक को व्यापक कर उसे नई ताकत दी और देशवासियों के स्वाभिमान को जागृत किया। जनसेवक और समाज-सुधारक के रूप में अस्पृश्यता निवारण, जातिगत भेदभाव, नशा मुक्ति, महिला मुक्ति,बोरसद तालुका को खुंखार डाकू के आतंक से मुक्ति गुजरात विद्यापीठ की स्थापना, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सत्याग्रह पत्रिका का प्रकाशन, सहकारी आंदोलन का मार्गदर्शन, कल्याणकारी राज्य,निवेश आधारित विकास और बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने की वकालत, भीषण बाढ़,अकाल,प्लेग महामारी आदि के समय स्वयं बीमार होते हुए पीड़ितों की सेवा उनके श्रेष्ठतम रचनात्मक कार्यों का प्रमाण है। अंग्रेजों ने कूटनीति से भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 में 'लैप्स आफ पैरामाउंसी' विकल्प अनुसार यह स्वतंत्रता दे दी कि वे चाहें तो आजाद रह सकते हैं अथवा भारत-पाकिस्तान किसी भी देश में अपना विलय कर सकते हैं । निसंदेह अंग्रेजों का यह षड्यंत्र अखंड भारत के निर्माण में लाइलाज नासूर के रूप में काम करता यदि सरदार पटेल ने दृढ़ता पूर्वक अपनी विलक्षण बुद्धि,अनोखी सूझ बूझ,दूरदर्शिता,आवश्यकतानुसार साम दाम दंड भेद की नीति तथा अंतिम विकल्प के रूप में बल प्रयोग कर जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में सम्मिलित नहीं किया होता। वस्तुतः भारत की आजादी की घोषणा के साथ ही अधिकांश रियासतों ने यह अर्थ लगा लिया कि अब वे संप्रभुता संपन्न राज्य हो जाएंगे। 12 जून 1947 को त्रावणकोर राज्य ने बाद में हैदराबाद निजाम ने अपने स्वतंत्र अस्तित्व की घोषणा कर दी ।

सरदार पटेल के मन में पूर्व से ही एक अखंड भारत का स्वप्न था।उन्होंने संदेश में कहा ÷हमारी खंडित अवस्था और एक होकर मुकाबला ना करने की हमारी अयोग्यता का ही परिणाम था कि भारत को आक्रमणकारियों का शिकार होना पड़ा। हम सभी रक्त भावना और हितों की समानता से बंधे हैं। हमें कोई भी खंडों में विभाजित नहीं कर सकता ।ऐसी रुकावटें जो पार नहीं की जा सकें हमारे बीच खड़ी नहीं की जा सकती। चार दिन बाद विदेशी सरकार चली जाएगी । आपके राज्यों की भीतरी अशांति को दूर करने का केवल एक ही उपाय है कि आप अपने अपने राज्यों को भारत सरकार के नियंत्रण में सौंप दे। अन्यथा उनके साथ कठोर व्यवहार किया जाएगा।'

(चिंतन-मनन)

मरने के बाद कहां जाता है इंसान

सभी धर्मों में पुनर्जन्म की बात कही गयी है, यानी एक शरीर को छोड़ने के बाद इंसान दूसरे शरीर में प्रवेश करता है। लेकिन मृत्यु के बाद से पुनर्जन्म लेने तक जीव कहां रहती है यह एक बड़ा सवाल है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि आत्मा न तो जन्म लेती है और न मरती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीव के मरने के बाद आत्मा कहां जाती है। इसका उत्तर आप जरूर जानना चाहते होंगे। 18 पुराणों में से गरूड़ पुराण ही एक ऐसा पुराण है जिसमें इस प्रश्न का उत्तर दिया गया है। इस पुराण में कहा गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा को शरीर से निकाल कर ले जाने के लिए दो यमदूत आते हैं। जो व्यक्ति अपने जीवन काल में अच्छे कर्म करते हैं उनकी आत्मा शरीर से आसानी से निकल जाती है। जिनका अपने शरीर से मोह नहीं जाता है और जीवन काल में अच्छे कर्म नहीं करते हैं उन्हें यमदूत जबरदस्ती खींच कर अपने साथ ले जाते हैं। शरीर से निकलने के बाद आत्मा अंगूठे के आकार का बन जाता है। यह दिखने में उसी प्रकार का होता है जैसा मृत व्यक्ति दिखने में होता है। इस आत्मा को लेकर यमदूत यमराज के पास जाते हैं। यहां उसे 24 घंटे रखा जाता है और जीवन काल में उसके द्वारा किये गये अच्छे बुरे कर्मों को दिखाया जाता है। इसके बाद आत्मा को पुन- उसी स्थान पर लाकर रख दिया जाता है जहां से यमदूत उसे लेकर जाते हैं। 13 दिनों तक इस स्थान पर रहकर आत्मा अपने शरीर का अंतिम संस्कार देखता है। इसके बाद यमदूत उसे अपने साथ लेकर पुन- यमलोक की ओर चलते हैं। इस रास्ते में आत्मा को यम की भयानक नगरी के दर्शन कराये जाते हैं। इस रास्ते में आत्मा को कई प्रकार की भयानक यतानाएं सहनी पड़ती है। एक साल तक इस रास्ते में चलते हुए जीवात्मा यमलोक पहुंचती है। यहां यमराज व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार नर्क, स्वर्ग अथवा दूसरी योनियों भेजते हैं। यहीं पर तय होता है कि व्यक्ति को दूसरा जन्म कब मिलेगा। जो लोग धर्मात्मा होते हैं उन्हें यमलोक की यात्रा नहीं करनी पड़ती है। ऐसे लोगों के लिए विमान आता है जिसमें बैठकर आत्मा विष्णु लोक चली जाती है। जिन्हें विष्णु लोक में स्थान मिल जाता है उन्हें पुन- जन्म नहीं लेना पड़ता है।

सरकार ने चीनी निर्यात पर लगी रोक एक साल के लिए बढ़ाई

मुंबई । केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों पर रोक लगाने के लिए चीनी के निर्यात पर लगी रोक को एक साल के लिए और बढ़ा दी है। इस साल मई में चीनी के निर्यात पर प्रे तिबंध लगाया गया था, जो 31 अक्टूबर, 2022 तक लागू था। एक सर्कुलर में इस सीमा को 31 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया है। सर्कुलर के मुताबिक यह आदेश 31 अक्टूबर, 2023 या अगले आदेश तक, जो भी पहले आए, तक लागू रहेगा। निर्यात का यह प्रतिबंध कच्ची चीनी, रिफाइंड चीनी और सफेद चीनी पर लगाया गया है। 24 मई को सबसे पहले यह प्रतिबंध लागू किया गया था। सरकार की ओर से जारी किए गए इस सर्कुलर में बताया गया है कि यह प्रतिबंध सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटा के तहत ईयू और यूएस में भेजी जा रही चीनी पर लागू नहीं होगा। इसी महीने सरकार ने कहा था कि भारतीय निर्यातक 31 दिसंबर तक टीआरक्यू के तहत अमेरिका को चीनी निर्यात कर सकेंगे। निर्यातक अब इस साल दिसंबर अंत तक अमेरिका को तय मात्रा में कच्ची चीनी का निर्यात कर सकेंगे। बता दें कि भारत का चीनी निर्यात सितंबर में समाप्त विपणन वर्ष 2021-22 के दौरान 57 प्रतिशत बढ़कर 109.8 लाख टन हो गया है। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

मारुति ब्रेक असेंबली में गड़बड़ी सुधारने 9,925 वाहन वापस लेगी

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) रियर ब्रेक असेंबली पिन में संभावित गड़बड़ी को दुरुस्त करने के लिए तीन मॉडल वैगन आर, सेलेरियो और इग्निस की 9,925 इकाइयों को बाजार से वापस लेगी। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। प्रभावित वाहनों का विनिर्माण तीन अगस्त से एक सितंबर, 2022 के बीच हुआ है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि ऐसी आशंका है कि रियर ब्रेक अमेंबली पिन में कुछ खराबी है। कुछ स्थितियों में यह टूट सकता है और इससे आवाज आ सकती है। इससे लंबे समय में ब्रेक के प्रदर्शन पर भी असर पड़ सकता है। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों की सुरक्षा के मद्देनजर हमने प्रभावित वाहनों को बाजार से वापस लेने का फैसला किया है। कंपनी की अधिकृत वर्कशॉप इस बारे में ग्राहकों से संपर्क करेंगी। जांच के बाद प्रभावित वाहनों में गड़बड़ी को ठीक किया जाएगा।

खाने के तेल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली । देश की मंडियों में सोयाबीन और मूंगफली की आवक बढ़ने से अन्य खाद्य तेल कीमतों पर भी दबाव देखा गया जिससे दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चा पाम तेल एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की मांग से बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। कारोबारी सूत्रों ने कहा कि कांडला बंदरगाह पर आयात भाव के मुकाबले सीपीओ और पामोलीन तेल महंगा मिलने से मांग कुछ प्रभावित हुई है जिसकी वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट है। इसका असर मूंगफली सहित बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी हुआ है जिससे उनके भाव भी दवाब में रहे। सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में शादियों का मौसम शुरू होने के अलावा सर्दी में मांग भी बढ़ेगी। सरकार को आयात शुल्क लगाने के बारे में तत्काल कोई फैसला करना होगा क्योंकि सूरजमुखी और सोयाबीन तेलों के आयात में लगभग डेढ़ से दो महीने का समय लगता है। खाद्य तेल तिलहनों में सोयाबीन की आवक बढ़ रही है और सोमवार से गुजरात में मंडियों के खुलने के बाद मूंगफली पर भी दवाब देखने को मिल सकता है ऐसे में सरकार को यह ध्यान देना होगा कि किसानों को दिक्कत पेश न आए और उन्हें उचित कीमत मिले।

मारुति सुजुकी पेश करेगी जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी

- महिंद्रा थार और फोर्स गोरखा को देगी टक्कर

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी 5-डोर वाली जिम्नी लाइफस्टाइल एसयूवी को देश में 2023 के बीच में लॉन्च करेगी। यह मॉडल 2023 ऑटो एक्सपो में ग्लोबल करने वाला है। यह महिंद्रा थार और फोर्स गोरखा को भारतीय बाजार में टक्कर देगी। इस कार का 5-डोर संस्करण भी लॉन्च होगा। यह एक माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ एक नया 1.5-लीटर के 15सी पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होगा। ट्रांसमिशन विकल्प में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर शामिल होगा। इसमें सुजुकी का ऑलग्रीप प्रो एडब्ल्यूडी सिस्टम स्टैंडर्ड के तौर पर मिलेगा। इस कार कीमत 10 लाख से 15 लाख रुपये के बीच हो सकती है।महिंद्रा 2023 में थार लाइफस्टाइल एसयूवी का नया 5-डोर वर्जन लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। लंबे व्हीबेस पर आधारित होने के लिए, नया थार 5-डोर 5-डोर मॉडल होगा और आने वाली मारुति जिम्नी और फोर्स को टक्कर देगा गोरखा।

नया मॉडल स्टिफ़र प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा और इसमें पेंटा-लिंक सस्पेंशन होगा। नई थार 5-डोर दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा - एक 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल और एक 2.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल। दोनों इंजनों को उच्च शक्ति और टॉर्क के लिए ट्यून किया जाएगा। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक शामिल होंगे। इस कार की कीमत 15 लाख रुपये से 18 लाख रुपये के बीच होगी। महिंद्रा ने जनवरी 2023 के अंत में एक्सयूवी400 शुद्ध इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की घोषणा की है। नई महिंद्रा एक्सयूवी400 के लिए बुकिंग जनवरी 2023 के पहले सप्ताह में शुरू होगी।

यह अनिवार्य रूप से थोड़ा अलग स्टाइल, अधिक सुविधाओं और केबिन के साथ एक्सयूवी300 का इलेक्ट्रिक संस्करण है। यह 39.5केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और 110केडब्ल्यू इलेक्ट्रिक मोटर से लैस होगा जो 310एनएम का अधिकतम टॉर्क देगा। एक्सयूवी400 ईवी 150 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड मारने से पहले 8.6 सेकंड में शून्य से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है।

ट्विटर के सौदे से एलन मस्क को एक हजार करोड़ डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली । अमेरिकी अरबपति एलन मस्क को ट्विटर के सौदे से भारी नुकसान हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक इस सौदे ने उनकी नेटवर्थ 1 हजार करोड़ डॉलर घटा दी है। हालांकि मस्क ने कहा कि उन्होंने ट्विटर को पैसा बनाने के लिए नहीं बल्कि मानवता की मदद के लिए खरीदा है। इस साल अप्रैल में एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए डील की थी। इसके तहत मस्क ने 54.20 डॉलर के भाव पर शेयर खरीदने का सौदा तय हुआ था लेकिन 6 महीने बाद मस्क का यह सौदा महंगा लग रहा है इसका कारण है अमेरिका में आर्थिक अनिश्चितता और ब्याज दरों में बढ़ोतरी, जिसकी वजह से कई कंपनियों की कमाई प्रभावित हुई है। लिस्टेड सोशल मीडिया कम्पनियों के प्रदर्शन पर नजर रखने वाला सोलएक्टिव सोशल मीडिया इंडेक्स करीब 40 फीसदी फिसल चुका है। ब्लूमबर्ग वेल्थ इंडेक्स में ट्विटर की वैल्यू में इतनी गिरावट की गई है और इस प्रकार मस्क की नेटवर्थ भी फिसल गई है। इसके मुताबिक मस्क के नेटवर्थ में 1000 करोड़ डॉलर की गिरावट के बाद इस साल 2022 में अब तक उनकी संपत्ति 6600 करोड़ डॉलर घट चुकी है। मस्क की दिग्गज इलेक्ट्रिक गाड़ी कंपनी टेस्ला के शेयर इस साल 35 फीसदी फिसल चुके हैं।

मस्क ट्विटर से कुछ कर्मचारियों की छंटनी करेगी: रिपोर्ट

न्यूयॉर्क। एलन मस्क ट्विटर से कुछ कर्मचारियों की छंटनी कर सकते हैं। एक खबर में यह जानकारी दी गई है। कुछ दिन पहले ही मस्क ने 44 अरब डॉलर के सौदे में सोशल मीडिया कंपनी का अधिग्रहण किया है। खबर के अनुसार मस्क की योजना ट्विटर से कर्मचारियों की छंटनी जल्द शुरू करने की है। इस स्थिति की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा है कि कुछ प्रबंधकों को ऐसे कर्मचारियों की सूची बनाने को कहा गया है जिन्हें हटाया जा सकता है। मस्क के ट्विटर के अधिग्रहण से पहले ही इस तरह की चर्चा थी कि वह सोशल मीडिया कंपनी में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करेंगे। कुछ खबरों में तो यहां तक कहा गया है कि वह कर्मचारियों की संख्या में 75 प्रतिशत की कमी करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण पूरा करने के बाद कंपनी में सभी स्तरों पर छंटनी का आदेश दिया है। कुछ टीमों की संख्या अन्य की तुलना में अधिक छोटी की जाएगी। रिपोर्ट में हालांकि यह नहीं बताया गया है कि मस्क कितने कर्मचारियों की छंटनी करेंगे। ट्विटर के कर्मचारियों की संख्या 7,500 है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्विटर में कर्मचारियों की छंटनी एक नवंबर से पहले होगी। इसी दिन कर्मचारियों को अपने पारिश्रमिक के हिस्से के रूप में शेयर अनुदान मिलना है। इस तरह का अनुदान आमतौर पर कर्मचारियों के वेतन का एक बड़ा हिस्सा होता है।

(शेयर बाजार समीक्षा) कंपनी परिणामों और फेड रिजर्व के फैसले से तय होगी बाजार की चाल

वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे

नई दिल्ली,

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की विशेष बैठक, कंपनियों के तिमाही पे रिणामों और फेड रिजर्व के फैसले से इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े तथा वृहद आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे। विनिर्माण क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे। वहीं सेवा क्षेत्र के आंकड़े गुरुवार को आएंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा` कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक, वाहन बिक्री के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर बाजार की नजर रहेगी। इसके अलावा बाजार की नजर रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन नवंबर को बुलाई गई विशेष बैठक पर भी होगी। अब दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम दौर शुरू हो चुका है। ऐसे में सप्ताह के दौरान शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। अक्टूबर के वाहन बिक्री के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे हमें त्योहारी मांग का पता चलेगा। एमपीसी की विशेष बैठक तीन नवंबर को होगी। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य में क्यों विफल रहा है, बैठक में इस पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों से मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर रही है। ऐसे में रिजर्व बैंक को सरकार को रिपोर्ट सौंपकर इसकी वजह बतानी है। गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय समिति मुद्रास्फीति के लक्ष्य को हासिल करने में विफलता के कारकों पर रिपोर्ट तैयार करेगी। कई कारणों से यह सप्ताह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजे अब तेजी पकड़ेंगे। इस दौरान भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, सन फार्मा, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी, सिप्ला और टाइटन सहित कई अन्य बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों की घोषणा होगी।

अडाणी समूह का 1,000 अरब डॉलर मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य

- हरित ऊर्जा, डेटा केंद्र, हवाई अड्डे से लेकर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में 150 अरब डॉलर निवेश करेगा

नई दिल्ली ।

एशिया के सबसे अमीर कारोबारी में से एक गौतम अडानी का अडाणी समूह समूह का लक्ष्य 1,000 अरब डॉलर के मूल्यांकन वाली वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट सूची में शामिल होने का है। अडाणी समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर रॉबी सिंह ने 10 अक्टूबर को वेंचुरा सिक्योरिटीज लिमिटेड द्वारा यहां आयोजित निवेशक बैठक में समूह की विकास योजनाओं का ब्योरा दिया। वर्ष 1988 में एक व्यापारी के रूप में कारोबार शुरू करने वाले समूह ने काफी तेजी से बंदरगाह, हवाई अड्डा, सड़क, बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली पारेषण, गैस वितरण और एफएमसजी क्षेत्र में प्रवेश` किया है। हाल में समूह डेटा केंद्र, हवाई अड्डा, पेट्रोरसायन, सीमेंट और मीडिया जैसे क्षेत्रों में उतरा है। उन्होंने कहा कि समूह की अगले 5-10 साल में हरित हाइड्रोजन कारोबार में 50-70 अरब डॉलर और हरित ऊर्जा में 23 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना है। यह बिजली पारेषण में सात अरब डॉलर, ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी में 12 अरब डॉलर और सड़क क्षेत्र में पांच अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के क्लाउड सेवाओं के साथ डेटा केंद्र कारोबार में प्रवेश के लिए उसे एज कॉनेक्स के साथ साझेदारी में 6.5 अरब डॉलर का निवेश करना होगा और

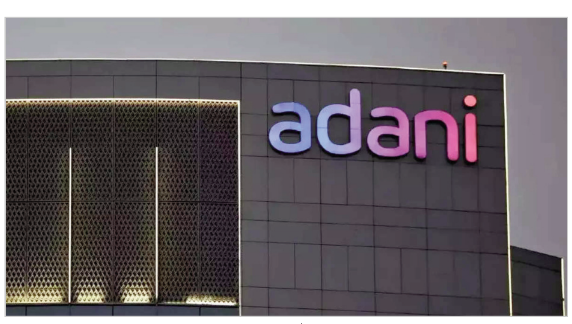

हवाई अड्डों के लिए 9-10 अरब डॉलर की योजना बनाई गई है। हवाई अड्डा क्षेत्र में समूह पहले ही सबसे बड़ा निजी परिचालक है। एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के साथ सीमेंट क्षेत्र में प्रवेश के लिए समूह ने 10 अरब डॉलर का निवेश किया है। समूह पेट्रोरसायन कारोबार में भी उतरा है। इसकी योजना दो अरब डॉलर के निवेश से 10 लाख टन सालाना का पीवीसी विनिर्माण संयंत्र लगाने की है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह एक अरब डॉलर के निवेश से पांच लाख टन सालाना का स्मेल्टर लगाएगा और इसके साथ तांबा क्षेत्र में भी उतरने की योजना है।

वाहन कंपनियों के प्रबंधन स्तर के अधिकारियों की अनुपालन समझ कम: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारतीय वाहन कंपनियों के महत्वपूर्ण प्रबंधन स्तर के अधिकारियों की अनुपालन प्रतिबद्धताओं को लेकर समझ काफी कम है। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कारोबार के आकार के हिसाब से इस तरह के कई कानून और हजारों नियम ऐसे हैं जिनके बारे में प्रबंधन स्तर के अधिकारियों को कम जानकारी है। भारत में एक ही राज्य में काम करने वाली एक छोटी वाहन विनिर्माण कंपनी एक साल में कम से कम 900 एकबारगी और जारी अनुपालनों पर काम करना होता है। जैसे-जैसे कंपनी का भौगोलिक विस्तार होता है, अनुपालनों की संख्या बढ़ जाती है। विनिर्माण इकाइयों के स्थान, विशिष्ट उपकरणों और अंतिम उत्पादों के उपयोग के आधार पर उनके लिए लागू अनुपालन बदलते रहते हैं। भारत में ज्यादातर संगठनों के लिए इन अनुपालनों की निगरानी कर पाना चुनौतीपूर्ण होता है। रिपोर्ट में एक सर्वेक्षण के हवाले से कहा गया है। यह तथ्य सामने आया है कि भारतीय वाहन कंपनियों में प्रमुख प्रबंधन कर्मियों को 80 प्रतिशत से अधिक मामलों में अनुपालन दायित्वों की खराब समझ है। ऐसी स्थिति में वे कारण बताओ नोटिस, वित्तीय जुर्माना और दंड, लाइसेंस रद्द होने और अनुमति वापस लिए जाने से संबंधित मामलों में काफी हैरान होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महत्वपूर्ण अनुपालनों की स्थिति, तारीखों, दस्तावेजीकरण और गैर-अनुपालन के जोखिम पर ये अधिकारी अच्छी स्थिति में नहीं हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 90,319 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 90,318.74 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 652.7 अंक चढ़ गया। सोमवार को दिवाली के अवसर पर बाजार में एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित किया गया। बुधवार को दिवाली बलिप्रतिपदा पर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर को छोड़कर शीर्ष 10 में अन्य सभी कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शामिल हैं। बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 36,566.82 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 17,08,932.42 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 11,195.61 करोड़ रुपए बढ़कर 8,12,378.52 करोड़ रुपए रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 10,792.67 करोड़ रुपए बढ़कर 4,54,404.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसबीआई की बाजार हैसियत 8,879.98 करोड़ रुपए बढ़कर 5,09,372.21 करोड़ रुपए रही। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 8,617.06 करोड़ रुपए बढ़कर 11,57,339.65 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 8,214.27 करोड़ रुपए बढ़कर 4,36,240.27 करोड़ रुपए रही। इन्फोसिस का मूल्यांकन 5,259.92 करोड़ रुपए बढ़कर 6,36,476.13 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक को सप्ताह के दौरान 568.37 करोड़ रुपए का फायदा हुआ और उसका बाजार पूंजीकरण 6,32,832.76 करोड़ रुपए रहा। आईटीसी का मूल्यांकन 224.04 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,28,677.66 करोड़ रुपए रहा। इसके विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 30,509.44 करोड़ रुपए घटकर 5,93,318.79 करोड़ रुपए रह गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, भारती एयरटेल, एचडीएफसी और आईटीसी का स्थान रहा।

एसयूवी ब्रेजा का जल्द ही लॉन्च होगा सीएनजी मॉडल

-कंपनी ने अभी तक नहीं की इस बात की पुष्टि

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की फ्लैगशिप मिड साइज एसयूवी ब्रेजा का जल्द ही सीएनजी मॉडल लॉन्च हो सकता है। इससे पहले कंपनी 10 सीएनजी कारों की देश में बिक्री कर रही है। ब्रेजा के इस लिस्ट में जुड़ने के बाद ये 11 हो जाएंगी। हालांकि कंपनी ने अभी आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है लेकिन लीक हुई जानकारी के अनुसार ब्रेजा के इस सीएनजी वर्जन को ऑटो ट्रांसमिशन के साथ भी देने की बात कही जा रही है। ब्रेजा के सीएजनजी एलएक्सआई मॉडल के अलावा सभी में ऑटो ट्रांसमिशन का ऑप्शन आ सकता है। यदि ब्रेजा सीएनजी लॉन्च होती है तो ऐसा पहली बार होगा कि देश में मिड साइज एसयूवी सीएनजी वेरिएंट में आएगी।कार में 1.5 लीटर 4 सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। इसमें 5 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड ऑटो ट्रांसमिशन देखने को मल सकता है। हालांकि सीएनजी पर चलने के बाद इसका इंजन कितना टॉर्क जनरेट करेगा इसकी जानकारी फिलहाल नहीं है।

एफपीआई ने इस महीने अब तक शेयर बाजार से 1,586 करोड़ निकाले

एफपीआई ने सितंबर में शेयरों से 7,600 करोड़ रुपए की निकासी की थी

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी की रफ्तार अक्टूबर में कुछ कम हुई है। सितंबर में शेयरों से 7,600 करोड़ रुपए की निकासी करने के बाद इस महीने अब तक एफपीआई ने पूंजी बाजारों से 1,586 करोड़ रुपए निकाले हैं। एफपीआई ने अगस्त में 51,200 करोड़ रुपए की लिवाली की थी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा` कि नवंबर में एफपीआई का प्रवाह काफी हद तक इस आंकड़े के आसपास रहेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने 28 अक्टूबर तक शेयरों से 1,586 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस महीने का अभी एक कारोबारी सत्र बचा है। हालांकि, पिछले कुछ दिन के दौरान भारतीय बाजारों में एफपीआई की बिकवाली की रफ्तार धीमी हुई है। उन्होंने कहा कि पूंजी की ऊंची लागत, मौजूदा भू-राजनीतिक संकट की वजह से एफपीआई अक्टूबर में बिकवाल रहे हैं। इससे पहले जुलाई में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में करीब 5,000 करोड़ रुपए डाले थे। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर से लगातार नौ माह तक एफपीआई बिकवाल रहे थे।इस साल अभी तक एफपीआई की निकासी 1.70 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुकी है। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से वृद्धि की संभावना, रुपए में गिरावट, मंदी की आशंका और यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह नकारात्मक रहेगा। इस परिदृश्य में अनिश्चितता का माहौल बना है जिसकी वजह से निवेशक जोखिम लेने से कतरा रहे हैं। अक्टूबर में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,548 करोड़ रुपए निकाले हैं। भारत के अलावा एफपीआई ने फिलिपीन और ताइवान के बाजार से भी पैसे निकाले हैं।

मध्यप्रदेश और हरियाणा में पेट्रोल और डीजल में हल्की गिरावट

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.77 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। रविवार को ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 95.77 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, जबकि डब्ले ल्यूटीआई 87.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। पेट्रोल डीजल की कीमत में कुछ राज्यों में गिरावट देखने को मिली है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रे विवार को हरियाणा में पेट्रोल घटकर 97.45 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 90.29 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल गिरकर 95.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल 81.88 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह मध्यप्रदेश में भी पेट्रोल की कीमत में मामूली गिरावट के साथ यह 109.62 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल 94.81 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 23 पैसे बढ़कर 96.63 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है, वहीं डीजल भी 23 पैसे बढ़कर 89.80 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

महेश गवली भारत की अंडर-20 पुरूष टीम के मुख्य कोच नियुक्त, वेंकटेश की लेंगे जगह

नवी मुंबई । पूर्व भारतीय डिफेंडर महेश गवली को अंडर-20 पुरूष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की। गवली इस तरह क्षणमुगम वेंकटेश की जगह लेंगे जिन्होंने पद से हटने का फैसला किया था क्योंकि भारतीय टीम एएफसी अंडर-20 एशिया कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। आईएम विजयन की अगुआई वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने यह फैसला किया। एआईएफएफ ने कहा, 'समिति ने भारतीय अंडर-20 पुरूष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिये पूर्व डिफेंडर महेश गवली के नाम की सिफारिश की।' बयान के अनुसार अंडर-20 टीम की जिम्मेदारी के अलावा गवली सीनियर टीम में इगोर स्टिमक के साथ सहायक कोच की भूमिका जारी रखेंगे।

साउथ अफ्रीका ने तोड़ा भारत का विजयी रथ

पर्थ ।

विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारी पर साउथ अफ्रीका ने पानी फेर दिया है। साउथ अफ्रीका ने रविवार को हुए ग्रुप 2 मुकाबले में 5 विकेट से जीत दर्ज कर भारत का विजयी रथ रोका। एडन मार्कराम ने 52 रनों की अहम पारी खेली। इसी के साथ साउथ अफ्रीका अब ग्रुप 2 के प्वाइंट्स टेबल में 3 मैचों में 5 अंक लेकर टॉप पर आ गई है तो वहीं भारत 3 मैचों में 2 जीत के साथ 4 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। इससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सूर्यकुमार यादव की बदौलत साउथ अफ्रीका के सामने 9 विकेट खोकर 134 रनों का लक्ष्य दिया। सूर्यकुमार ने 40 गेंदों में 68 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 चौके व 3 छक्के शामिल रहे। इन्हें छोड़कर सभी भारतीय बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। केएल राहुल ने 9, रोहित शर्मा ने 12 जबकि दीपक हुड्डा खाता भी नहीं खोल सके। लुंगी एनगिडी ने 29 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि पर्नेल ने 3 विकेट झटके। भारत ने पांच विकेट 49 रन पर गंवा दिए थे, जिसके बाद सूर्यकुमार ने 40 गेंदों पर 68 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और छह चौके शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से एनगिडी ने 29 रन देकर चार विकेट और वेन पर्नेल ने 15 रन देकर तीन विकेट लिये। सूर्यकुमार को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज ऑप्टस स्टेडियम की तेज और उछाल वाली पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पाया और ऐसे में रोहित शर्मा का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत साबित हो गया। भारत ने पावरप्ले में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। वेन पर्नेल का पहला ओवर मेडन रहा जिसके बाद रोहित (15) ने कैगिसो रबाडा के अगले ओवर में छक्का जड़कर टीम का खाता खोला। केएल राहुल (नौ) ने भी पर्नेल के अगले ओवर में छक्का लगाकर अपना आत्मविश्वास जगाने का प्रयास किया। रोहित को रबाडा के इस ओवर में जीवनदान भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और जब एनगिडी पांचवा ओवर करने के लिए आए तो भारतीय कप्तान ने गेंदबाज को वापस कैच थमा दिया। राहुल की खराब फॉर्म जारी रही। एनगिडी ने अपने इसी ओवर में उन्हें स्लिप में कैच कराकर भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावरप्ले में दो विकेट पर 33 रन बनाए। एनगिडी ने अपने दूसरे ओवर में विराट कोहली (12) के रूप में भारत को तीसरा बड़ा झटका दिया। पिछले दो मैचों में अर्धशतक जड़ने वाले कोहली ने इस ओवर की पहली दो गेंदों पर चौके लगाए लेकिन जल्द ही उन्होंने फाइन लेग पर रबाडा को कैच थमा दिया। दीपक हुड्डा को पांचवें नंबर पर उतारा गया लेकिन एनरिक नोर्किया ने उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया। हार्दिक पंड्या केवल दो रन बना पाए। एनगिडी की गेंद पर रबाडा ने उनका शानदार कैच लपका। अब दारोमदार सूर्यकुमार पर था जिन्होंने नोर्किया की गेंद छह रन के लिए भेज कर दबाव हटाने की कोशिश की। स्पिनर केशव महाराज पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। सूर्यकुमार ने एनगिडी पर छक्का और फिर चौका लगाकर 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

सूर्यकुमार ने फिर खेली धमाकेदार पारी, इस मामले में पहुंचे तीसरे नंबर पर

पर्थ ।

विस्फोटक भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक बार फिर धमाकेदार पारी खेली। सूर्यकुमार ने रविवार, 30 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिर 40 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 68 रन बनाए। इसी के साथ सूर्यकुमार इस साल अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में 900 से अधिक रन बनाने वाले केवल तीसरे बल्लेबाज बने। 32 वर्षीय सूर्यकुमार 900 रन के आंकड़े तक पहुंचने के बाद कुलीन सूची में पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के साथ शामिल हो गए। रिजवान इस सूची में सबसे ऊपर हैं, उन्होंने 2021 में 29 मैचों में एक शतक और 12 अर्धशतक के साथ 1326 रन बनाए। 28 वर्षीय बाबर ने 2021 में 29 मैचों में 37.56 की औसत से 1 शतक और 9 अर्धशतक के साथ 939 रन बनाए हैं। जहां तक सूर्यकुमार का सवाल है, दाएं हाथ का यह बल्लेबाज हाल के दिनों में शानदार फॉर्म में रहा है। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने विराट कोहली के एक कैलेंडर वर्ष में ञ्20ढ्ढ में एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यकुमार पाकिस्तान के खिलाफ मैच में प्रदर्शन करने में विफल रहे, जब भारत 160 रनों का पीछा कर रहा था। हालांकि, उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नीदरलैंड के खिलाफ नाबाद 25 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सूर्यकुमार ने फिर अपनी क्लास दिखाई। लुंगी एनगिडी के चार विकेट लेने से भारत जल्दी ही बैकफुट पर आ गया था। लेकिन दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने काफी संयम दिखाया और स्कोर 130 के पार पहुंचाने में मदद की।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : पंजाब और विदर्भ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कोलकाता । पंजाब और विदर्भ ने रविवार को यहां आसान जीत के साथ सैयद मुश्ताक अली टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पंजाब ने प्री क्वार्टर फाइनल में हरियाणा को 49 रन से हराया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर प्रभसिमरन सिंह की 36 गेंदों पर 64 रन की पारी और अभिषेक शर्मा के नाबाद 55 रन की मदद से उसने सात विकेट पर 176 रन बनाए। हरियाणा की टीम इसके जवाब में 9 विकेट पर 127 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से निशांत सिंधु ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। पंजाब के लिए बलतेज सिंह ने तीन जबकि सिद्धार्थ कौल और मयंक मार्कंडेय ने दो-दो विकेट लिए। विदर्भ ने एक अन्य मैच में छत्तीसगढ़ को आठ गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराया। उमेश यादव (27 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से विदर्भ ने छत्तीसगढ़ को नौ विकेट पर 111 रन ही बनाने दिए। छत्तीसगढ़ के लिए कप्तान हरप्रीत सिंह ने 27 और अमनदीप खरे ने 25 रन का योगदान दिया। विदर्भ ने सलामी बल्लेबाज संजय रघुनाथ की 63 रन की पारी की मदद से 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 112 रन बनाकर जीत दर्ज की।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर तीसरी बार सुल्तान जोहोर कप जीता

बाहरू ।

भारतीय हॉकी टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 5-4 से हराकर तीसरी बार सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। दो बार की चैम्पियन रही भारतीय टीम ने पांच साल बाद ये खिताब जीता है। इस टूर्नामेंट में दोनों ही टीमें तय समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। भारतीय टीम की ओर से सुदीप चिरमाको ने 13 मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला पर ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैक होलाड ने 28 मिनट में गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। जिसके बाद मुकाबला पैनाल्ट शूटआउट में पहुंचा। इसमें भी दोनो ही टीमों ने तीन-तीन गोल दागे ओर मैच बराबरी पर रहा। जिससे ये मुकाबला 'सडन डेथ' में पहुंचा जहां भारतीय टीम ने बाजी मार ली। भारत की ओर से विष्णुकांत सिंह, अंकित पाल, सुदीप चिरमाको ने गोल दागे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से बर्न्स कूपर, फोस्टर ब्रोडी, ब्रुक्स जोशुआ और हार्ट लियाम ने गोल किये। भारतीय टीम की ओर से उत्तम सिंह ने शूटआउट में दो गोल किये। इसमें 'सडन डेथ' में किया गया एक गोल भी शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

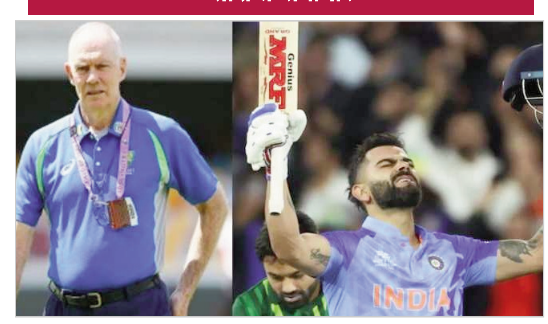

चैपल ने विराट को संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज बताया

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारतीय टीम के कोच रहे ग्रेग चैपल ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। चैपल ने कह कि विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ जो पारी खेली थी उसका जवाब नहीं है। यह पारी एक प्रकार से देखा जाये तो ईश्वर के गीत की तरह थी। इससे टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में मान्यता मिली है। 82 रनों की इसी पारी के कारण भारतीय टीम को इस मैच में जीत मिली। चैपल ने इस अनुभवी बल्लेबाज को अपने समय का सबसे संपूर्ण भारतीय बल्लेबाज बताया। . चैपल ने लिखा, ''कोहली ने एक ऐसी पारी खेली जो 'ईश्वर के गीत' के करीब थी जैसी टी20 क्रिकेट में कभी नहीं खेली गई।'' इस पूर्व कप्तान ने कहा कोहली की आक्रामक पारी बल्लेबाजी की कला को अगले स्तर तक ले गई और इसने वास्तव में टी20 क्रिकेट को कलात्मक खेल के रूप में मान्यता भी दिलायी है। प्रदान की. क्रिकेट को चाहने वाले टेस्ट क्रिकेट को पहली वरीयता देते हैं जबकि टी20 प्रारूप में शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाजी का लक्ष्य होता है। इसमें बल्लेबाज हर गेंद पर बड़ा शॉट लगाना चाहता है। इस मैच में विराट ने पहले पाक गेंदबाजों को हताश किया और फिर उनके खिलाफ जमकर रन बनाये। उन्होंने कहा,'' यह ऐसी पारी थी जिसमें बल्लेबाजी की कला भी देखने को मिली। मैंने जितनी क्रिकेट देखी है ऐसा कोई नहीं कर पाया।'' यह एक ऐसी पारी भी थी जिसने टी20 क्रिकेट को वैध बना दिया. कोई भी अब टी20 क्रिकेट को केवल मनोरंजन बताकर नकार नहीं सकता है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी की कला से समझौता किए बिना जिस तरह से कोहली ने पाक गेंदबाजों को पीटा। वैसा पहले किसी बल्लेबाज ने नहीं किया। इस प्रकार से देखा जाए तो अभी विश्व में कोई अन्य बल्लेबाज उनके करीब नहीं टिकता।

भारत-पाक मुकाबला टी20 विश्व कप के सबसे रोमांचक मुकाबलों में पहले स्थान पर

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया में जारी आईसीसी टी20 विश्व कप के पांच सबसे रोमांचक मुकाबलों को घोषणा कर दी है। इसमें पहले नंबर पर भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ महामुकाबला रहा जिसमें भारतीय टीम ने अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। इस मैच में भारतीय टीम ने विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत बेहद कठिन हालातों में जीत दर्ज की। भारतीय टीम के 4 विकेट शुरुआत में ही गिर गये थे। इसके बाद विराट कोहली और हार्दिक पांड्या ने टीम को संभाला और उसे लक्ष्य की ओर ले गये। एक मैच में पाक टीम बेहद अच्छी स्थिति में थी पर हार्दिक और विराट मैच निकाल ले गये। वही दूसरे नंबर पर पाकिस्तान और जिम्बाब्वे का मुकाबला रहा। इस मैच में पाकिस्तान को अंतिम गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी पर बल्लेबाजी कर रहे शाहीन शाह अफरीदी एक रन ही बना पाये। इस प्रकार जिम्बाब्वे को जीत मिल गयी। वहीं तीसरे नंबर पर स्कॉटलैंड और आयरलैंड का मुकाबला रहा। इस मुकाबले में आयरलैंड को जीत के लिए 177 रनों का लक्ष्य मिला था। ऐसे में शुरुआती विकेट गिरने के बाद भी कर्टिस कैम्फर एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने 72 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं चौथे नंबर पर यूएई और नीदरलैंड के बीच हुए मैच को रखा गया है।

टी20 विश्वकप : पाकिस्तान ने नीदरलैंड को हराकर दर्ज की पहली जीत

पर्थ ।

पाकिस्तान ने यहां आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर-12 में नीदरलैंड को हराकर अपना पहला मुकाबला जीता है। इस मैच में पाक को छह विकेट से जरुर जीत मिली पर उसे नीदरलैंड जैसी कमजोर टीम ने कड़े संघर्ष पर मजबूर कर दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट पर 91 ही बना पायी। पाक की ओर से शादाब खान ने 3 जबकि मोहम्मद वसीम ने 2 विकेट लिए। वहीं शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हासिर राउफ ने एक-एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिल 92 रनों के छोटे से लक्ष्य को पाने के लिए पाक टीम को जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंत में पाक ने 13.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य हासिल किया। इस मैच में बल्लेबाजी के दौरान पाक कप्तान बाबर आजम एक बार फिर नाकाम रहे। वह 5 गेंद पर 4 रन ही बना पाये और रन आउट हो गये। इसके बाद फखर जमां और मोहम्मद रिजवान ने पारी को संभाला। फखर 20 रन जबकि अपना रिजवान 49 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उतरे बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद ने टीम को जीत दिलायी। नीदरलैंड की ओर से ब्रैंडन ग्लोवर ने 22 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि पॉल वान को एक विकेट मिला। वहीं इस मैच में पाक गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा और उन्होंने नीदरलैंड को 100 रनों के अंदर ही रोक दिया। नीदरलैंड की ओर से कॉलिंग ऑकमैन ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए और कप्तान स्कॉट एडवर्ड ने 15 रन बनाये। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे। पाकिस्तान की टीम को इस मैच में मिली जीत के साथ ही दो अंक मिले है। इससे पहले उसे भारत और जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश की जीत से पाकिस्तान को मिली राहत, बाहर होने से बची

ब्रिसबेन । बांग्लादेश को टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-12 में जिम्बाब्वे पर मिली जीत से पाकिस्तान को जरुरी राहत मिली है। बांग्लादेश की इस जीत के साथ ही पाक टीम मुकाबले से बाहर होने से बच गयी। बांग्लोश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने इस अहम मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाज को रन आउट कर अपनी टीम को जीत दिलायी। जिम्बाब्वे को अंतिम 2 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे और 5 विकेट बचे थे। तब 19वें ओवर की पहली 3 गेंद पर जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने 7 रन बना लिए थे पर चौथी गेंद पर शाकिब ने रेयान बर्ल को शानदार रन आउट करके मैच में बांग्लादेश की वापसी करायी। इस मैच के बाद बांग्लादेश 4 अंक लेकर अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। जिम्बाब्वे को अंतिम ओवर में जीत के लिए 16 रन बनाने थे। यह ओवर ऑफ स्पिनर सादेक हुसैन ने किया।. पहली गेंद पर एक रन बना। दूसरी गेंद पर ब्रैड इवांस कैच आउट हुए। तीसरी गेंद पर बाई के रूप में चौका मिला। वहीं चौथी गेंद पर नगारवा ने छक्का लगा दिया पर वह पांचवीं गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद जिम्बाब्वे को एक गेंद पर जीत के लिए 5 रन बनाने थे पर बल्लेबाज मुजरबानी रन नहीं बना सके। यह गेंद हालांकि नोबॉल थी जिससे जिम्बाब्वे को एक और अवसर मिला पर मुजरबानी इस बार भी नाकाम रहे। वहीं सुपर-12 के ग्रुप-2 की बात करें, तो भारतीय टीम अभी अपनी दोनो ही मैच जीतकर 4 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं बांग्लादेश के 3 मैच में 4 अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है जबकि दक्षिण अफ्रीका 2 मैच में 3 अंक के साथ ही तीसरे जबकि जिम्बाब्वे 3 मैच में 3 अंक लेकर चौथे स्थान पर बनी हुई है। पाक और नीदरलैंड दोनों ने अब तक 2-2 मुकाबले खेले हैं पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। नेट रनरेट के कारण पाक टीम 5वें नंबर पर बनी है। पाक टीम अभी 6 अंक ही पहुंच सकती है। बांग्लादेश के अभी 2 मुकाबले बचे हैं। इसमें टीम एक भी मैच जीत लेती है, तो 6 अंक तक पहुंच जाएगी , ऐसे में वह पाक को कड़ी टक्कर देगी।

अगले साल के शुरू में भारत में होंगे तीन चैलेंजर टूर्नामेंट

नई दिल्ली । भारत में अगले साल के शुरू में चेन्नई, बेंगलुरु और पुणे में तीन एटीपी 100 चैलेंजर प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने शनिवार को यह घोषणा की। एआईटीए ने अभी तक तिथियों के बारे में नहीं बताया है लेकिन माना जा रहा है इनका आयोजन भारतीय टीम के डेविस कप विश्व ग्रुप प्लेऑफ मुकाबले के बाद फरवरी में किया जाएगा। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा,''हमें अभी एटीपी से तिथियों की मंजूरी नहीं मिली है। पर हमें जल्द ही पता चल जाएगा। इस बार उत्तर प्रदेश भी लखनऊ में चैलेंजर की मेजबानी करना चाहता था लेकिन हमने सर्वसम्मति से फैसला किया कि बेंगलुरु एक प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।%%

टिम साउदी T20I में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, शाकिब को पछाड़ा

सिडनी।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को पीछे छोड़ते हुए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस तेज गेंदबाज ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में श्रीलंका के खिलाफ अपनी टीम के ग्रुप 1, सुपर 12 चरण के मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। साउथी ने चार ओवर में 1/12 के अपने किफायती विकेट स्पैल से मैच में चमक बिखेरी जिससे कीवी टीम ने श्रीलंका को 65 रनों से हराया। अब साउथी के पास कीवी टीम के लिए 102 मैचों में 126 विकेट हैं। ये विकेट 23.98 के औसत और 8.14 के इकॉनमी रेट से आए हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के आंकड़े 5/18 हैं। इस मामले में उन्होंने शाकिब को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 107 मैचों में 21.18 की औसत और 6.79 की इकॉनमी से 125 विकेट लिए हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के आंकड़े 5/20 हैं। सबसे छोटे प्रारूप में अन्य शीर्ष गेंदबाज अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान (119 विकेट), श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा (107 विकेट) और न्यूजीलैंड के गेंदबाज ईश सोढ़ी (106 विकेट) आते हैं। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनते हुए 20 ओवरों में 167/7 का स्कोर बनाया। शुरुआत में 15/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रही टीम ने ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिशेल (22) के बीच चौथे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी ने पासा पलट दिया। फिलिप्स ने 64 गेंदों में 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 104 रन बनाकर टी20 इंटरनेशनल में अपना दूसरा शतक बनाया। श्रीलंका के लिए कासुन रजिथा ने 2/23 के स्पैल के साथ शानदार गेंदबाजी की जबकि महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, धनंजय डी सिल्वा, लाहिरू कुमारा ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य (168) का पीछा करते हुए श्रीलंका वास्तव में कभी भी न्यूजीलैंड के लिए खतरे की तरह नहीं दिखा। पेसर साउथी और ट्रेंट बोल्ट ने श्रीलंका के मात्र 8 रन पर चार विकेट उड़ा दिए। श्रीलंका 65 रन से मैच हारकर महज 102 रन पर ढेर हो गई। कप्तान दासुन शनाका ने 35 और भानुका राजपक्षे ने 34 रन बनाए, लेकिन अन्य कोई भी बल्लेबाज एकल अंक का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बौल्ट (4/13) न्यूजीलैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुए।

ऑकलैंड में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच रग्बी महिला विश्वकप क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात: 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात: देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

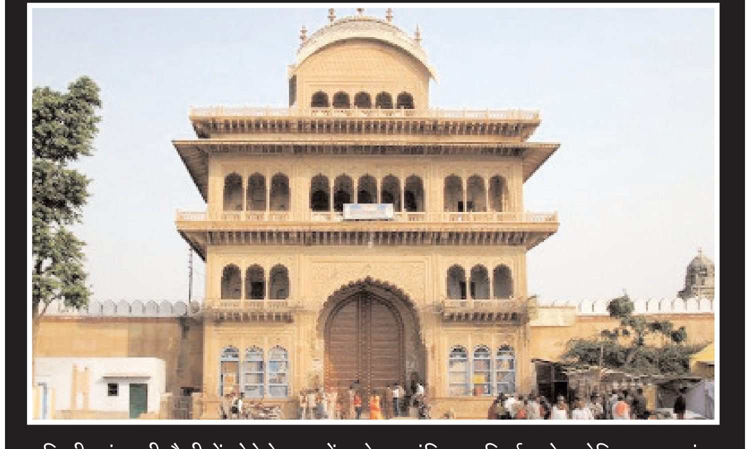

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन: किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन: मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया।

भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सीक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

फिलिपीन: तूफान को सुनामी समझ ऊंचे स्थान की ओर दौड़े और फिर वहीं हुए जिंदा दफन, दर्जनों लोगों की गई जान

कोताबातो (फिलीपीन)। फिलीपीन के कुसियोंग गांव के निवासी रविवार को आए तूफान को सुनामी समझ बैठे, जिसके चलते वे पहाड़ की तरफ ऊंचे स्थान की ओर दौड़ पड़े और फिर वहीं जिंदा दफन हो गए। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांववालों को यह गलतफहमी इसलिए हुई, क्योंकि कुसियोंग इससे पहले विनाशकारी सुनामी का सामना कर चुका था। रविवार तड़के फिलीपीन के उत्तर-पश्चिमी तट से टकराए 'नालगे' नामक उष्णकटिबंधीय तूफान से सबसे अधिक प्रभावित हिस्सों में शामिल दक्षिणी प्रांत मैग्विनडानाओ के कुसियोंग गांव में दूर-दूर तक लगे कीचड़ के अंबार से बचावकर्ता अब तक कम से कम 18 शव निकाल चुके हैं। पूर्व गुरिल्ला अलाववादियों द्वारा शासित पांच मुस्लिम प्रांतों के स्वायत्त क्षेत्र के गृह मंत्री नजीब सिनारिंबो ने कहा, अधिकारियों को बृहस्पतिवार रात और शुक्रवार तड़के के बीच कुसियोंग गाव में 80 से 100 लोगों के बाढ़ के पानी में बहने या दफन होने की आशंका है। 'नालगे' के दौरान फिलीपीन में भारी बारिश हुई, जिसके कारण कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। जान गंवाने वालों में कुसियोंग गांव के लोग भी शामिल हैं। साथ ही यह तूफान आपदा के लिहाज से सबसे संवेदनशील देशों में शुमार फिलीपीन में भारी तबाही का मंजर छोड़ गया। 'टेडुरे' जातीय अल्पसंख्यकों की घनी आबादी वाले कुसियोंग गांव के लिए यह आपदा और भी दुखद है, क्योंकि इसके 2,000 से अधिक ग्रामीण सुनामी से बचने के लिए दशकों से हर साल आपदा प्रबंधन की तैयारियां करते रहे हैं। यह गांव सुनामी के कारण घातक तबाही का भी गवाह रह चुका है। सिनारिंबो ने कहा कि ग्रामीण हालांकि मिनंदर पर्वत से आए इस खतरे को भांप नहीं पाए। उन्होंने कुसियोंग में रहने वाले लोगों के हवाले से 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया, 'जब लोगों ने चेतावनी घंटी की आवाज सुनी तो वे भागने लगे और एक ऊंचे स्थान पर स्थित गिरजाघर में जमा हो गए। लेकिन यह सुनामी नहीं थी, जो उन्हें डुबो देती। बल्कि यह पानी और कीचड़ का बड़ा सैलाब था, जो पहाड़ से उतरा था।' सिनारिंबो ने कहा कि इस एक गलतफहमी से दर्जनों गांववालों की जान चली गई। कुसियोंग गांव मोरो की खाड़ी और मिनंदर पर्वत के बीच में पड़ता है। अगस्त 1976 में मोरो खाड़ी और इसके आसपास 8.1 तीव्रता के भूकंप के बाद आई सुनामी ने भारी तबाही मचाई थी, जिसके चलते हजारों लोगों की मौत हो गई थी।

पनडुब्बियों पर महिलाओं के उत्पीड़न के दावों की जांच कर रही रॉयल नेवी

लंदन। ब्रिटेन की रॉयल नेवी के प्रमुख एडमिरल बेन की ने कहा कि वह इन आरोपों से 'बहुत ही आहत' हैं कि पनडुब्बियों पर काम करने वाली महिला कर्मचारियों को डराया धमकाया गया और उनका यौन उत्पीड़न किया गया। रॉयल नेवी प्रमुख ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। डेली मेल अखबार ने शनिवार को पूर्व नौसेना लेफ्टिनेंट सोफी ब्रूक के उन दावों को प्रकाशित किया है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उन्हें 'यौन उत्पीड़न के एक निरंतर दौर' के

साथ-साथ शारीरिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। अखबार ने उनके हवाले से प्रकाशित किया है कि पनडुब्बियों पर जब भी कोई नयी महिला आती है तो चालक दल के पुरुष सदस्य 'गिद्धों की तरह' नजरें गड़ाये होते हैं। तीस-वर्षीय ब्रूक ने इस साल की शुरुआत में रॉयल नेवी छोड़ दी थी और बाद में उन्हें अपनी पनडुब्बी की आवाजाही के बारे में एक ईमेल संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में जेल की निलंबित सजा सुनाई गई थी। अखबार ने नौसेना के एक अन्य गुमनाम व्हिसलब्लोअर के हवाले से कहा कि महिलाओं को पनडुब्बियों में यौन संबंध बनाने के लिए लगातार परेशान किया जाता था। रॉयल नेवी के पूर्णकालिक कर्मियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हैं और 2011 से पनडुब्बियों पर सेवा करने के लिए पात्र हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''ये आरोप घृणित हैं।'' उन्होंने एक बयान में कहा, ''यौन हमले और उत्पीड़न का रॉयल नेवी में कोई स्थान नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी वरिष्ठ टीम को इन आरोपों की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। जो कोई भी दोषी पाया जाएगा, उसकी रैंक या स्थिति की परवाह किए बिना उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।'' रक्षा मंत्रालय ने इन आरोपों पर टिप्पणी नहीं की है, लेकिन कहा है कि उसने स्वीकार किया कि अनुचित व्यवहार रोकने के बारे में और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

सोमालिया के मोगादिशु में दो कारों में बम विस्फोट, 100 की मौत, 300 घायल

- बम विस्फोटों ने सोमालिया के शिक्षा मंत्रालय की इमारत को निशाना बनाया

मोगादिशु । सोमालियाई शहर किसमायु में एक कार बम विस्फोट और गोलीबारी में 9 लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद, शनिवार दोपहर सोमा?निया की राजधानी मोगादिशु में 2 अलग-अलग कारों में विस्फोट की घटना घटी। सोमालिया के राष्ट्रपति हसन शेख ने स्थानीय केबल टीवी से बातचीत में बताया कि विस्फोट में अब तक मरने वालों की संख्या लगभग 100 है और 300 से अधिक घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दो कार बम विस्फोटों ने सोमालिया के शिक्षा मंत्रालय की इमारत को निशाना बनाया। रॉयटर्स ने एक स्थानीय नागरिक के हवाले से कहा दो कार बमों ने के5 स्ट्रीट के किनारे शिक्षा मंत्रालय की इमारत को निशाना बनाया। मंत्रालय की रखवाली करने वाले एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसने विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम 12 शव देखे और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल पड़े थे। बम विस्फोट के दृश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए हैं और विस्फोट के बाद मोगादिशु शहर के ऊपर बादल उठते दिख रहे हैं। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा ?कि श?निवार को दोपहर बाद अल-शबाब के आतंकवादियों ने बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित नागरिकों को निशाना बनाते हुए दो विस्फोट किए। इससे पहले किस्मायू में सोमवार को 9 लोग आतंकियों के शिकार बने थे। सुरक्षाबलों ने उन्हें मार गिराया था। बंदरगाह शहर के तवाकल होटल के गेट में विस्फोटकों से लदे एक वाहन के टकराने के बाद गोलियां चलीं। जुबलैंड के सुरक्षा मंत्री युसुफ हुसैन धूमल ने बताया ?कि विस्फोट में छात्रों और नागरिकों सहित नौ लोग मारे गए और 47 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

रूस ने यूक्रेन के साथ हुआ अनाज समझौता निलंबित किया

कीव। रूस ने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए अनाज निर्यात समझौते के क्रियान्वयन को तत्काल निलंबित करेगा। इस समझौते की वजह से यूक्रेन से नौ करोड़ टन से अधिक अनाज का निर्यात हुआ था और वैश्विक स्तर पर खाद्य कीमतों में कमी आई थी। मॉस्को ने इस कदम के लिए क्रीमिया प्रायद्वीप में रूस के काला सागर बेड़े के जहाजों पर यूक्रेन द्वारा शनिवार को कथित तौर पर किए गए ड्रोन हमले को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, यूक्रेन ने हमले से इनकार किया है। इस बीच, वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अनाज निर्यात समझौते का निलंबन खेदजनक है और उन्होंने 'सभी पक्षों से इस आवश्यक, जीवन रक्षक पहल को बरकरार

रखने का आग्रह किया।' ब्लिंकन ने शनिवार रात एक बयान में कहा, 'इस समझौते को निलंबित करके रूस फिर से युद्ध में भोजन को हथियार बना रहा है, निम्न और मध्यम आय वाले देशों और वैश्विक खाद्य कीमतों को प्रभावित कर रहा है और पहले से ही व्याप्त गंभीर मानवीय संकट और खाद्य असुरक्षा को बढ़ा रहा है।' ' रूस ने अनाज निर्यात समझौते के निलंबन की घोषणा संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस द्वारा रूस और यूक्रेन से समझौते को नवीनीकृत करने का आग्रह करने के एक दिन बाद की है। गुतारेस ने अन्य देशों, मुख्य रूप से पश्चिमी देशों से रूस के अनाज और उर्वरक निर्यात को अवरुद्ध करने वाली बाधाओं को दूर करने में तेजी लाने का आग्रह किया था। गुतारेस ने जुलाई में संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये के प्रयास से किए गए समझौते को नवीनीकृत करने की जरूरत को रेखांकित किया था, जो 19 नवंबर को समाप्त हो रहा है। गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा था कि दुनियाभर में खाद्य सुरक्षा में योगदान करने के लिए और वैश्विक स्तर पर जीवन के संकट को कम करने के लिए यह जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने कहा कि रूस के समझौते के नवीनीकरण पर चर्चा करने से पहले उसे विश्व बाजार में अपने अनाज और उर्वरकों के निर्यात को देखने की जरूरत है, जो समझौते की शुरुआत के बाद से कभी नहीं हुआ।

ताइपे में रेनबो फ्लैग लेकर प्राइड परेड में भाग लेते हुए लोग।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साथ आने से भारत-अमेरिका सामरिक साझेदारी को नई गति व दिशा मिली : संधू

वाशिंगटन । अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध लगातार बेहतर हुए हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और अमेरिका के साथ आने से द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को एक नई गति और दिशा मिली है। संधू ने कोलंबिया विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' में 'इंडिया एट 75' सम्मेलन में दिए भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बातचीत, मंत्री व उच्च स्तर पर लगातार हो रहे विचार-विमर्श ने संबंधों को समग्र दिशा प्रदान की है।

उन्होंने कहा हम अपने नेताओं के दृष्टिकोण को लागू करने के प्रयास कर रहे हैं। हमारे द्विपक्षीय संबंध तेजी से आगे बढ़े हैं।

उन्होंने कहा, क्वाड (भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान का सामरिक सुरक्षा समूह), आईपीईएफ (हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा) और आई2यू2 (भारत, इजराइल, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बीच अंतर सरकारी आर्थिक सहयोग मंच) के जरिए हिंद-प्रशांत में साथ आने से हमारी सामरिक साझेदारी को एक नई गति मिली है।

रूस का ब्रिटेन पर गंभीर आरोप, क्रीमिया पर ड्रोन हमले में बताया भागीदार

- ब्रिटेन ने अभी तक रूस के आरोपों का जवाब नहीं दिया

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस ने क्रीमिया पर ड्रोन हमले के यूक्रेन की कोशिश में ब्रिटेन पर भागीदारी होने का आरोप लगाया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन के विशेषज्ञों ने यूक्रेन के विफल हमले के लिए प्रशिक्षण दिया और हमले की निगरानी करने में मदद की। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कीव शासन ने काला सागर बेड़े के जहाजों और नागरिक जहाजों के खिलाफ एक आतंकवादी हमला किया, जो सेवस्तोपोल बेस के बाहरी और भीतरी हिस्सों में मौजूद थे। इस हमले में 9 हवाई ड्रोन और 7 समुद्री ड्रोन शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट्स की एक खबर के मुताबिक रूस के रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि इस आतंकवादी कार्य की तैयारी के लिए सैन्य कर्मियों के प्रशिक्षण को ब्रिटिश विशेषज्ञों की देखरेख में अंजाम दिया गया। बहरहाल ब्रिटेन ने अभी तक इन आरोपों का जवाब नहीं दिया है। रूस ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिटिश नौसेना के प्रतिनिधि 26 सितंबर को नॉर्ड स्ट्रीम 1 और नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइनों को उड़ाने के लिए बाल्टिक सागर में

हमले की साजिश रचने और हमले को अंजाम देने की कोशिश में शामिल थे।

क्रीमिया में सेवस्तोपोल को हाल के महीनों में कई बार यूक्रेन ने निशाना बनाया है। ये रूस के समुद्री बेड़े के मुख्यालय और यूक्रेन में संचालन के लिए एक लॉजिस्टिक हब के रूप में कार्य करता है। रूस ने कहा कि उनके क्रीमिया बेस पर जिन जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की गई वे संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में हुए समझौते को लागू करने में शामिल है, जिससे यूक्रेन के अनाज के निर्यात को चालू रखा जा सका जबकि रूस ने हाल ही में इस सौदे की आलोचना करते हुए कहा था कि पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण उसके अपने अनाज निर्यात को नुकसान हुआ है। क्रीमिया में ड्रोन हमलों का आरोप लगाते रूस ने उस ऐतिहासिक समझौते में अपनी भागीदारी को रोक दिया, जिसमें यूक्रेन से अनाज निर्यात की अनुमति दी गई थी। रूस के इस आरोप के जवाब में यूक्रेन ने कहा कि रूस अनाज निर्यात के गलियारे को बंद करने का बहाना बना रहा है।

पेलोसी के पति पर हमले के आरोपी ने ट्रंप के बचाव में पोस्ट किए थे

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष (स्पीकर) नैंसी पेलोसी के सैन फ्रांसिस्को स्थित आवास में घुसकर उनके पति पॉल पेलोसी पर हथौड़े से हमला करने के आरोपी ने कथित तौर पर नस्ली पोस्ट किए थे। इन पोस्ट में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों पर सवाल उठाने वाली और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करने वाली टिप्पणियां शामिल थीं। हमले का संदिग्ध डेविड डेपपे (42) ब्रिटिश कोलंबिया के पॉवेल रिवर में पला-बढ़ा था और करीब 20 साल पहले सैन फ्रांसिस्को आ गया था। डेपपे को शुक्रवार तड़के पेलोसी के घर से गिरफ्तार किया गया था। सैन फ्रांसिस्को जिला अटॉर्नी ब्रुक जेनकिंस ने कहा कि डेपपे के खिलाफ हत्या के प्रयास, घातक हथियार से हमला करने और चोरी सहित कई गंभीर आरोप दायर किए जाने की संभावना है। डेपपे के सौतेले पिता जीन डेपपे ने कहा कि संदिग्ध 14 साल की उम्र तक उनके साथ कनाडा में रहा और वह एक शांत लड़का था। जीन डेपपे ने कहा, ''डेविड हिंसक प्रवृत्ति का नहीं था और वह कभी भी किसी मुश्किल में नहीं फंसा। हालांकि, वह बहुत ही एकांतप्रिय था और दिनभर वीडियो गेम खेलता रहता था।''जीन डेपपे ने कहा कि उन्होंने 2003 से अपने सौतेले बेटे को नहीं देखा है। जीन ने कहा कि जिस प्रेमिका के पीछे उनका बेटा सैन फ्रांसिस्को आया था, उसका नाम जिप्सी था और उसके दो बच्चे थे। उन्होंने कहा कि डेविड का एक अलग महिला से भी एक बच्चा है। डेविड डेपपे के नाम से हाल के महीनों में किए गए ब्लॉग पोस्ट एलियन, वामपंथियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों, ट्रांससेक्सुअल और वैश्विक अभिजात वर्ग से संबंधित थे। एक अलग साइट पर डेविड डेपपे के नाम से पोस्ट की गई सामग्री में कोविड रोधी टीकों और मास्क पहनने के खिलाफ किए गए झूठे दावों को दोहराया गया था और यह सवाल किया गया था कि क्या जलवायु परिवर्तन वास्तविक है। साइट पर पेलोसी के बारे में कोई सीधा पोस्ट नहीं दिखाया दिया, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करने वाले पोस्ट मौजूद थे। एक पोस्ट में लिखा गया था कि यहूदियों ने जर्मनी में हिटलर के राजनीतिक उदय को वित्तपोषित करने में मदद की थी।

विशाल एस्टेरोइड पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरने वाला है, आकार बुर्ज खलीफा के बराबर

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

खगोलीय वैज्ञानिकों के मुताबिक एक विशाल एस्टेरोइड पृथ्वी के निकट से गुजरने वाला है। नासा के मुताबिक इसकी लंबाई दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा के बराबर है। नासा ने इसे संभावित रूप से खतरनाक बताया है। इस एस्टेरोइड का नाम 2022 आरएम4 है। ये 1 नवंबर को पृथ्वी के करीब से गुजरेगा। नासा के सेंटर फॉर नियर अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज के अनुसार, इस एस्टेरोइड का अनुमानित व्यास 330 और 740 मीटर के बीच या 2,400 फीट से अधिक है।

वैसे देखा जाए तो वास्तविक दूरी पृथ्वी-चंद्रमा की दूरी का छह गुना होगी, जो शायद बहुत करीब न लगे। आखिरकार, चंद्रमा पृथ्वी से औसतन 238,855 मील/384,400 किलोमीटर दूर है, इसलिए 2002 आरएम4 अपने निकटतम बिंदु पर लगभग 1.5 मिलियन मील/2.4 मिलियन किलोमीटर दूर होगा। बता दें कि एस्टेरॉयड को हिन्दी में उल्कापिंड या क्षुद्रग्रह भी कहते हैं। एस्टेरॉयड को किसी ग्रह या तारे का टूटा हुआ टुकड़ा माना जाता है। ये आम तौर पर सूर्य के चारों ओर सीधी कक्षा में होते हैं। खगोलविदों द्वारा क्षुद्रग्रह 2002 आरएम4 का अनुमान 360-809 गज/330-740 मीटर चौड़ा के बीच लगाया गया है। ये उतना चौड़ा हो सकता है जितना कि दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है। लाइवसाइंस के अनुसार, ये लगभग 52,500 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरेगा। कोई भी अंतरिक्ष वस्तु जो पृथ्वी के 120 मिलियन मील के दायरे में आती है, उसे 'पृथ्वी के निकट की वस्तु' माना जाता है। 12 सितंबर, 2022 को हवाई के हलीकाला में पैन-स्टारआरएस 2 टेलीस्कोप में खगोलविदों ने 2022 आरएम 4 की खोज की थी। इसे नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी द्वारा नियर अर्थ ऑब्जेक्ट (एनईओ) एक अपोलो-प्रकार की वस्तु और एक संभावित खतरनाक क्षुद्रग्रह (पीएचए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

खौफनाक मंजर में बदली दक्षिण कोरिया में हेलोवीन पार्टी! भगदड़ में 151 लोगों की मौत, 5 दिनों का राष्ट्रीय शोक

सियोल। (एजेंसी)।

हैलोवीन समारोह के बीच दक्षिण कोरिया के सियोल में एक घातक भगदड़ के कारण 151 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से पूरे देश में शोक की लहर फैल गयी हैं। त्यौहार मातम में बदल गया हैं। अधिकांश त्योहार, कार्यक्रम और परेड रद्द कर दिए गए हैं। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में 'हैलोवीन' के दौरान भीड़ के एक संकरी गली में घुसने के प्रयास से मची भगदड़ में कुचलकर मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 151 हो गई है, जबकि 82 अन्य घायलों का इलाज जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आपातकालीन कर्मियों और राहगीरों ने राजधानी के इटेवन जिले में शनिवार को मची भगदड़ के बाद सड़कों पर पड़े लोगों को सांस दिलाने की कोशिश की।

151 लोगों की भगदड़ में गयी जान

सियोल के योंगसन अग्निशमन विभाग के प्रमुख चोई सेओंग-बीओम के अनुसार,

मृतकों और घायलों में ज्यादातर किशोर और 20 वर्ष के आसपास की आयु के युवा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों में 19 विदेशी भी हैं, जिनकी राष्ट्रीयता के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई है। घायलों में से 19 की हालत नाजुक है, लिहाजा मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इटेवन में देश के सबसे बड़े आउटडोर 'हैलोवीन' उत्सव के लिए लगभग 100,000 लोग एकत्रित हुए थे।

दक्षिण कोरिया में 5 दिनों का राष्ट्रीय शोक

द कोरियन टाइम्स ने बताया कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक-योल ने 5 नवंबर तक राष्ट्रीय शोक की अवधि की घोषणा की और शेष हैलोवीन सप्ताहांत के लिए पार्टियों और कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ की नियुक्ति को लेकर इमरान खान ने लगाई थी यह गुहार, शहबाज शरीफ ने की खारिज

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपने पूर्ववर्ती और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान के एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति की गई थी, जो 29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के लिए तैयार हैं। जनरल बाजवा को शुरुआत में 2016 में नियुक्त किया गया था, लेकिन तीन साल के कार्यकाल के बाद, 2019 में खान की तत्कालीन सरकार ने उनकी सेवा को और तीन साल के लिए बढ़ा दिया।

शाहबाज शरीफ ने कहा, इमरान खान ने सुझाव दिया था कि हम उन्हें तीन नाम दें और वह सेना प्रमुख के पद के लिए तीन नाम दें और फिर हम उन छह नामों में से नए प्रमुख की नियुक्ति पर फैसला करें। उन्होंने कहा, 'यदि दोनों सूचियों में एक समान नाम है, तो हम सहमत होंगे। उन्होंने कहा, हालांकि 'मैंने धन्यवाद कहकर इमरान खान के प्रस्ताव को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया।'

जनरल बाजवा पर इमरान खान की 'देशद्रोही' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शहबाज शरीफ ने कहा, 'इमरान खान वर्तमान में केवल अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को पूरा करने के लिए सेना नेतृत्व को निशाना बना रहे हैं।'

जब इमरान खान सत्ता में थे, विपक्ष ने उन पर अपनी पसंद के एक सेना प्रमुख को लाने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जो विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के उनके कथित एजेंडे का समर्थन कर सके। इस साल अप्रैल में सत्ता गंवाने के बाद से समीकरण बदल गया है और अब खान कह रहे हैं कि गठबंधन सरकार लूटी गई संपत्ति को बचाने और आम चुनावों की चोरी करने के लिए अपनी पसंद का एक सेना प्रमुख स्थापित करना चाहती है।

पिछले हफ्ते, खान ने स्वीकार किया था कि उन्होंने अपनी सरकार को गिराने के विपक्ष के प्रयास के बीच मार्च में सेना प्रमुख बाजवा के कार्यकाल के विस्तार की

पेशकश की थी। खान की टिप्पणी पाकिस्तान के आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम नजुम द्वारा गुरुवार को एक अभूतपूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा करने के बाद आई है कि सेना प्रमुख को मार्च में अपने कार्यकाल के अनिश्चितकालीन विस्तार के लिए 'आकर्षक प्रस्ताव' दिया गया था।

सार समाचार

आयुष्मान पंजीकरण में मध्यप्रदेश आगे,इलाज कराने में तमिलनाडु आगे

नई दिल्ली । आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के कुल 15.88 करोड़ लोगों का पंजीयन किया गया है. इसमें सार्वजनिक मध्यप्रदेश में 3.61 करोड़ लोगों के पंजीयन हुए हैं. पंजीयन के मामले में मध्यप्रदेश अव्वल राज्य है. वहीं आयुष्मान भारत योजना में सबसे ज्यादा मरीजों का इलाज तमिलनाडु में कराया गया है. इलाज कराने वाले राज्यों में तमिलनाडु सबसे आगे है. तमिलनाडु में 67 लाख मरीजों को इसका फायदा मिला है. वहीं मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा पंजीयन होते हुए भी 21 लाख मरीजों को ही लाभ मिला. तमिलनाडु में मरीजों के ऊपर 5424.48 करोड़ रुपए पिछले 4 वर्षों में खर्च किए गए हैं.वहीं मध्यप्रदेश में 3297.64 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. पिछले 4 वर्षों में आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार ने 45781 करोड़ रुपए खर्च किए हैं. यह योजना मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश,गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु,झारखंड, कर्नाटक, पंजाब, महाराष्ट्र और केरल राज्यों में लागू है. तमिलनाडु,केरल, कर्नाटक, गुजरात और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 46 फीसदी राशि इलाज में खर्च की गई है.

गुजरात में कम मरीज ज्यादा खर्च

आयुष्मान भारत योजना में गुजरात राज्य में 1.59 करोड़ लोगों का पंजीयन किया गया. 33 लाख मरीजों का इलाज किया गया. मरीजों के इलाज में सबसे ज्यादा खर्च 6329.32 करोड़ रुपए गुजरात में खर्च हुए हैं. जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा है.

हैलोवीन के दौरान हुए हादसे पर जयशंकर ने कहा भारत मुश्किल की इस घड़ी में दक्षिण कोरिया के साथ है

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दक्षिण कोरिया में भगदड़ में लोगों की मौत पर रविवार को शोक जताया और कहा कि भारत दुख की इस घड़ी में उस देश के साथ है। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में 'हैलोवीन' के दौरान भीड़ के एक संकरी गली में घुसने के प्रयास से मची भगदड़ में कुचलकर कम से कम 151 लोगों की मौत हो गई है। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''सियोल में भगदड़ में इतने युवाओं की मौत से बहुत स्तब्ध हूं। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम मुश्किल की इस घड़ी में कोरिया गणराज्य के साथ एकजुटता व्यक्त करते हैं।

लुधियाना में पुलिस ने अफीम व हेरोइन के साथ कई लोगों को गिरफ्तार किया

लुधियाना । नशा तस्करों के खिलाफ मुहिम के तहत चौबीस घंटों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से अफीम व हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से रिमांड पर लेकर पुलिस उनसे कड़ी पूछताछ कर रही है। थाना डिवीजन नंबर 5 पुलिस ने रेलवे कालोनी कट कामरेड दा ढाबा इलाके में की गई नाकाबंदी के दौरान एक व्यक्ति को 50 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। एएसआइ अवनीत कौर ने बताया कि आरोपी की पहचान चंडीगढ़ रोड के आदर्श नगर स्थित सब्जी मंडी की गली नंबर 5 निवासी सुनील कुमार के रूप में की गई है। थाना लाडोवाल पुलिस ने लाडोवाल के मेगा फूड पार्क के पास की गई नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार को 270 ग्राम हेरोइन तथा मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। एएसआइ सतनाम सिंह ने बताया कि उसकी पहचान गांव हंबड़ां निवासी मंगत सिंह के रूप में हुई। लुधियाना में कमिश्नरेट पुलिस ने 288 ग्राम हेरोइन और 980 प्रतिबंधित गोलियों के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एएसआइ हरमेश सिंह ने बताया कि नूरवाला रोड युवक से 23 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद इसलाम निवासी बैंक कालोनी नूरवाला रोड के तौर पर हुई है। इसी तरह से एएसआइ मोहन सिंह ने बजरंग बांसल निवासी बैंक कालोनी मुल्लांपुर दाखा और मनदीप सिंह निवासी रांची कालोनी को काबू कर उनसे 265 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसी तरह सरकारी हाई स्कूल भामिया कलां के पास सत्री निवासी गांव ताजपुर को काबू कर उसके पास से 500 प्रतिबंधित गोलियां बरामद की हैं। वहीं, डिवीजन नंबर सात से एएसआइ रणधीर सिंह ने मोनू निवासी इंद्रापुरी से 480 प्रतिबंधित गोलियां बरामद की हैं।

मध्य प्रदेश के खंडवा में क्षतिग्रस्त की गई महात्मा गांधी की प्रतिमा

खंडवा । मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा को अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। जावर थाना प्रभारी शिवराम जाट ने बताया कि यह घटना शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात को ग्राम रनगांव में गांधी चौक पर घटी, जिसके बाद अज्ञात अपराधियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि जावर ग्राम पंचायत सचिव देवराज सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय कांग्रेस नेता कुंदन मालवीय ने कहा कि इस घटना से ग्रामवासियों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गांधीजी की प्रतिमा तोड़ने वालों की जल्द पहचान करके उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

राजस्थान के नाथद्वारा में 369 फीट ऊंची शिव प्रतिमा का उद्घाटन

जयपुर। राजस्थान में राजसमंद जिले के नाथद्वारा कस्बे में 369 फुट ऊंची शिव प्रतिमा 'विश्वास स्वरूपम' का शनिवार शाम को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं कथावाचक मुरारी बापू ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर योग गुरु बाबा रामदेव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित कई नेता मौजूद थे। इस अवसर आयोजित होने वाली रामकथा का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि रामकथा के वाचन से समाज में प्रेम, भाईचारे व सद्भावना का सन्देश जाता है जिसकी वर्तमान समय में देश में सर्वाधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कथाएं देश के कोने-कोने में आयोजित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व की विशालतम शिव प्रतिमा के रूप में 'विश्वास स्वरूपम' का निर्माण किया गया है। लगभग 10 साल के अथक समर्पण और लगन से निर्मित इस सुन्दर और भव्य शिव प्रतिमा को इसके शिल्पकारों द्वारा समाज में एक सकारात्मक सन्देश देने के लिए बनाया गया है। विधानसभा अध्यक्ष जोशी ने कहा कि 10 साल की निरंतर मेहनत व समर्पण से नाथद्वारा में विश्वास स्वरूपम की स्थापना की गई है। नगरीय विकास मंत्री शान्ति धारीवाल ने कहा कि कड़े परिश्रम से इतनी सुन्दर शिव प्रतिमा का निर्माण नाथद्वारा में किया गया है, जो विश्व की सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। उन्होंने कहा कि नाथद्वारा में विकास कार्यों के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर देशभर से प्रसिद्ध संत एवं समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस प्रतिमा का निर्माण तत पदम संस्थान द्वारा किया गया है। संस्थान के ट्रस्टी, उद्योगपति मदन पालीवाल ने कहा कि प्रतिमा के लोकार्पण के बाद 29 अक्टूबर से छह नवंबर तक धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जो नौ दिनों तक चलेगा। इस दौरान मुरारी बापू राम कथा का वाचन भी करेंगे। एक प्रवक्ता के अनुसार नाथद्वारा की गणेश टेकरी पर 51 बीघा की पहाड़ी पर बनी इस प्रतिमा में भगवान शिव ध्यान की मुद्रा में हैं। उन्होंने दावा किया, ''विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा की अपनी एक अलग ही विशेषता है। 369 फुट ऊंची यह प्रतिमा विश्व की अकेली ऐसी प्रतिमा होगी, जिसमें लिफ्ट, सीढ़ियां, श्रद्धालुओं के लिए हॉल बनाया गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रतिमा के अंदर सबसे ऊपरी हिस्से में जाने के लिए चार लिफ्ट और तीन सीढ़ियां बनी हैं। प्रतिमा के निर्माण में 10 वर्षों का समय और 3000 टन स्टील और लोहा, 2.5 लाख घन टन कंक्रीट और रेत का इस्तेमाल हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में गृहमंत्री शाह दो दिन में करेंगे आधा दर्जन रैलियां

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। भाजपा की शीर्ष नेता भी यहां सक्रिय हो गए हैं। देश के गृहमंत्री अमित शाह एक से दो नवंबर को शाह हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। यहां विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शाह की 2 दिनों में 6 रैलियां होने वाली हैं। हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। भाजपा एक बार फिर अपनी सत्ता को बचाने के लिए पूरा जोर लगा रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा बेरोजगार और सबसे अमीर लोगों वाला देश है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत को सबसे ज्यादा बेरोजगार और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों वाला देश होने का ''दुर्लभ'' गौरव प्राप्त है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार को तेलंगाना के महबूबनगर जिले के धर्मपुर से फिर से शुरू हुई। इस दौरान गांधी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो बुनकरों द्वारा हथकरघा उत्पादों पर जो भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का भुगतान किया जा रहा है, उसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''पिछले 35 वर्षों की तुलना में आज भारत में सबसे ज्यादा लोग बेरोजगार हैं। साथ ही, भारत में दुनिया के सबसे अमीर लोग भी हैं। वे (अमीर लोग) जो चाहें, कर सकते हैं। इधर मुख्यमंत्री (के. चंद्रशेखर राव) और वहां (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) मोदी उनका पूरा समर्थन करते हैं। ये राजनीतिक दल नहीं बल्कि व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं।'' गांधी ने कहा कि वह अपने मार्च के दौरान एक मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्र से मिले, जो अब एक 'डिलीवरी ब्वॉय' के रूप में काम कर रहा है क्योंकि तेलंगाना सरकार ने उसके कॉलेज की फीस की कथित तौर पर प्रतिपूर्ति नहीं की।

उन्होंने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार द्वारा जो भी जनविरोधी नीतियां लागू की जा रही हैं, केसीआर उनका समर्थन करते हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश के किसान अपने प्रयासों के बावजूद फसलों का उचित दाम प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। भाजपा पर देश में नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप लगाते हुए गांधी ने कहा कि उनका मार्च बिना किसी नफरत के नदी की तरह प्रवाहित हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'यह सच्चा भारत है। यह हमारा इतिहास है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जो भी कर रहे हैं, देश के खिलाफ कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि टीआरएस ने केन्द्र के उन तीन विवादित कृषि कानूनों का भी समर्थन किया था। हालांकि, किसान आंदोलन के बाद उन कानूनों को वापस ले लिया गया। गांधी ने कहा कि अगर उनकी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आती है तो शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को और बजट आवंटित किया जाएगा।

यूपी सरकार ने होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने का वादा पूरा नहीं किया : सपा

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर विधानसभा चुनाव के दौरान उज्?ज्?वला योजना के लाभार्थियों को एक-एक गैस सिलेंडर मुफ्त देने का वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा ने सपा पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

सपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से रविवार को ट्वीट किया झूठे वादे करने में योगी सरकार नंबर एक। चुनाव के समय उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को होली और दीपावली पर एक-एक सिलेंडर मुफ्त देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने मुफ्त में सिलेंडर नहीं दिया। सपा ने आरोप लगाया कि भाजपा से बड़ा झूठा और धोखेबाज कोई नहीं है। सपा ने ट्वीट में कानपुर देहात का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उज्ज्वला योजना के लाभार्थी यह कहते सुने जा रहे हैं कि उन्?हें होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर नहीं मिला और वह लोग घर में चूल्हे पर खाना पका रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने सपा पर पलटवार करते हुए कहा योगी सरकार गांव-गरीब-किसान के लिए काम कर रही है और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास को पहुंचाया गया है। उन्?होंने कहा जनता से किए गए वादों को पूरा करने में उत्तर प्रदेश सरकार देश में नम्बर एक पर है। शुक्?ला ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि लगता है कि झूठ बोलने के मामले में अखिलेश यादव के आदर्श अरविन्द केजरीवाल बन गए हैं।

वडोदरा में सी-295 परिवहन विमान विनिर्माण केंद्र का शिलान्यास रक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर: राजनाथ

वडोदरा।(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारतीय वायुसेना के लिए सी-295 परिवहन विमान के उत्पादन के वास्ते गुजरात के वडोदरा शहर में एक विनिर्माण केंद्र की आधारशिला रखना रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता की यात्रा में मील का पत्थर है। सिंह ने वडोदरा में विमान विनिर्माण केंद्र की आधारशिला रखे जाने से पहले यह कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विनिर्माण केंद्र की आधारशिला रखी। विमान का विनिर्माण यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस और टाटा समूह के एक कंसोर्टियम (संघ) द्वारा किया जाएगा। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसमें एक निजी कंपनी द्वारा भारत में सैन्य विमान का विनिर्माण किया जाएगा।

पिछले साल सितंबर में, भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 21,935 करोड़ रुपये का सौदा किया था, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो-748 विमानों के स्थान पर 56 सी-295 विमान मिलने हैं। ये एवरो-748 विमान 1960 के दशक की शुरुआत में भारतीय वायुसेना में शामिल किये गये थे। सिंह ने कहा कि देश में पहली बार एक निजी कंपनी विमान विनिर्माण केंद्र स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा, ''यह निश्चित रूप से पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। हमारे प्रधानमंत्री द्वारा आधारशिला रखी जा रही है। यह केवल आधारशिला नहीं है, बल्कि यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर देश की यात्रा में एक मील का पत्थर है।'' रक्षा मंत्री ने टाटा समूह, एयरबस और परियोजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। सिंह ने कहा कि यहां बनने वाले सी-295 विमान में बेहतर क्षमता और वैश्विक मानक होंगे। उन्होंने कहा, ''ये अत्याधुनिक परिवहन विमान भारतीय वायु सेना की सैन्य साजो-सामान आपूर्ति क्षमताओं में भारी वृद्धि करेंगे। यह भी गर्व की बात है कि सभी 56 विमान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी युद्धक सामग्रियों से लैस होंगे। मंत्री ने कहा कि देश भर के सैकड़ों एमएसएमई भी इन विमानों के निर्माण के लिए पुर्जे उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने कहा कि यह विनिर्माण केंद्र इस बात का उदाहरण है कि कैसे निजी कंपनी और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) सहयोगी प्रयासों के जरिये सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के रक्षा मंत्रालय के प्रयास न केवल हमारे सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, बल्कि भारत को रक्षा उपकरणों और प्लेटफार्म का विशुद्ध निर्यातक भी बनाएंगे।'' इस अवसर पर, सिंह ने न केवल वर्तमान आवश्यकताओं, बल्कि देश की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने के लिए मोदी को 'दूरदर्शी राजनेता' करार दिया।

आठ नवंबर को भारत समेत दुनिया के कई देशों में दिखेगा पूर्ण चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। दिवाली के अगले दिन आंशिक सूर्य ग्रहण के लगभग एक पखवाड़े बाद भारत और दुनिया के कई अन्य देशों में आठ नवंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। प्रसिद्ध खगोल विज्ञानी देबी प्रसाद दुआरी ने यह जानकारी दी। दुआरी ने कहा कि भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और रूस के अलावा एशिया के कई अन्य हिस्सों, उत्तर व दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अटलांटिक महासागर व प्रशांत महासागर क्षेत्र के लोग इस खगोलीय घटना का दीदार कर सकेंगे। दुआरी ने कहा कि पूर्ण चंद्र ग्रहण हर जगह नहीं दिखाई देगा और शुरुआत में लातिन अमेरिका के कुछ देशों में आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा। उन्होंने कहा कि आठ नवंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजकर 39 मिनट पर चंद्र ग्रहण शुरू होगा और लगभग तीन बजकर 46 मिनट पर यह पूर्ण चरण में पहुंच जाएगा। साढ़े चार बजे के आसपास चंद्रमा पूरी तरह से पृथ्वी की छाया से ढक जाएगा। दुआरी ने बताया कि पूर्ण ग्रहण पांच बजकर 11 मिनट पर समाप्त हो जाएगा, जबकि आंशिक ग्रहण शाम के छह बजकर 19 मिनट के आसपास खत्म होगा। उन्होंने कहा, भारत के सभी हिस्सों में ग्रहण चंद्रोदय के समय से दिखाई देगा, लेकिन आंशिक और पूर्ण, दोनों ही रूपों के प्रारंभिक चरण नहीं दिखाई देंगे, क्योंकि दोनों घटनाएं तब शुरू होंगी, जब देश में चंद्रमा हर जगह क्षितिज से नीचे होगा। दुआरी ने बताया कि कोलकाता सहित पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों के लोग पूर्ण चंद्र ग्रहण के गवाह बन सकेंगे, जबकि देश के बाकी हिस्सों में लोगों को केवल ग्रहण का आंशिक चरण और उसमें होने वाली प्रगति दिखाई देगी। कोलकाता शहर में चंद्रमा पूर्वी क्षितिज से लगभग चार बजकर 52 मिनट पर निकलना शुरू होगा और इसके दो मिनट बाद पूरी तरह से दिखाई देगा। दुआरी ने बताया कि नयी दिल्ली में चंद्रोदय के बाद लगभग साढ़े पांच बजे से आंशिक ग्रहण देखा जा सकेगा, जिसमें चंद्रमा 66 प्रतिशत ढका नजर आएगा

केजरीवाल ने यूसीसी पर उठाए सवाल, कहा- पूरे देश में लागू क्यों नहीं करती भाजपा सरकार

भावनगर (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) यानी समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर भाजपा की नीयत पर सवाल उठाया। केजरीवाल ने कहा कि यूसीसी केवल गुजरात में ही क्यों पूरे देश में क्यों लागू नहीं करती केन्द्र की भाजपा सरकार। बता दें कि शनिवार को हुई गुजरात सरकार की कैबिनेट बैठक में एक समिति गठित करने का फैसला किया है। हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश की अध्यक्षता में गठित होनेवाली चार सदस्यों की समिति गुजरात में यूसीसी लागू करने के बारे में मूल्यांकन करेगी और अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी। जिसके आधार पर गुजरात सरकार राज्य में यूसीसी लागू करने पर फैसला करेगी। गुजरात की भाजपा सरकार के इस फैसले ने विपक्ष की नींद उड़ा दी है। तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे अरविंद केजरीवाल ने आज भावनगर में आयोजित पत्रकार परिषद में कहा कि यूसीसी का वह विरोध नहीं करते लेकिन इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए। भाजपा की नीयत पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने कहा कि चुनाव से पहले उत्तराखंड में भी यही किया गया था। लेकिन चुनाव खत्म होते ही समिति अपने घर चली गई। गुजरात में यूसीसी लागू करने को लेकर चुनाव से पहले समिति बनाने का फैसला किया गया है। लेकिन यह समिति भी चुनाव खत्म होते ही अपने घर चली जाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान की धारा 44 स्पष्ट रूप से कहती है कि यूसीसी लागू करने की जिम्मेदारी सरकार की है और उसे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। लेकिन यह कानून सभी समुदायों की सहमति से बनाया जाना चाहिए।

इन दिनों आर्थिक संकट से जूझ रहा ब्रिटेन, देखना है अर्थव्यवस्था में कैसे जान फूंकेंगे पीएम ऋषि सुनक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय मूल के ऋषि सुनक ने तमाम बाधाओं को पार करते हुए अंततः ब्रिटिश पीएम के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। ऋषि सुनक ने ऐसे समय में ब्रिटेन का शासन संभाला है, जब उस देश में महंगाई आसमान छू रही है। आर्थिक वृद्धि की रफ्तार थम गई है। देश की मुद्रा कमजोर हो रही है और उनकी कंजरवेटिव पार्टी आतंरिक कलह से बेहाल है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कैसे देश की अर्थव्यवस्था में जान फूंकेंगे। ऋषि सुनक ब्रिटेन के 57वें और इस वर्ष के तीसरे प्रधानमंत्री हैं।

सुनक ने ऐसे समय पर ब्रिटेन का शासन संभाला है, जब उस देश में महंगाई आसमान छू रही है, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार थम सी गई है, देश की मुद्रा कमजोर हो रही है और उनकी कंजरवेटिव पार्टी आतंरिक कलह से बेहाल है। ऋषि सुनक एक परंपरावादी हिंदू यह बात उनकी सामान्य गतिविधियों में देखी जा सकती है। पिछले कुछ समय में पूरी दुनिया ने देखा है कि वह पूरी श्रद्धा से गाय की पूजा करते हैं, हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं, माथे पर टीका लगाते हैं, कलाई पर कलावा बांधते हैं, दीपावली पर 10 डाउनिंग स्ट्रीट की दहलीज पर दीप जलाते हैं, पूजा करते हैं, पूरे गर्व से खुद को हिंदू बताते हैं और इसके साथ ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद वह पूरे आत्मविश्वास के साथ ब्रिटेन की जनता को मौजूदा आर्थिक तंगी से निकालने का वचन देते हैं। ब्रिटिश हुकूमत से आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रही भारत की जनता इस बार दीपावली के साथ-साथ इस बात की भी खुशी बना रही थी कि ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बन गए हैं। सुनक ने ऐसे समय पर ब्रिटेन का शासन संभाला है, जब उस देश में महंगाई आसमान छू रही है, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार थम सी गई है, देश की मुद्रा कमजोर हो रही है और उनकी कंजरवेटिव पार्टी आतंरिक कलह से बेहाल है। पहले बोरिस जॉनसन, फिर लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन में राजनीतिक हालात कुछ ठीक नहीं हैं और सुनक के सामने अपनी कुर्सी को बचाने के साथ-साथ देश की जनता को भी संकट से निकालने की दोहरी जिम्मेदारी है।

12 मई 1980 को साउथैम्पटन के सरकारी अस्पताल में जन्मे सुनक 42 बरस के हैं और दो सौ साल में ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। वह अफ्रीका में जन्मे डॉक्टर पिता यशवीर और फार्मासिस्ट मां ऊषा की तीन संतानों में सबसे बड़े हैं। ऋषि के दादा रामदास सुनक एक समय अविभाजित भारत के गुजरांवाला में रहते थे, जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान का हिस्सा बना। वह 1935 में नैरोबी चले गए और वहां नौकरी करने लगे। ऋषि सुनक की दादी सुहाग रानी 1966 में अकेले ब्रिटेन गईं और एक वर्ष बाद अपने परिवार को भी वहीं बुला लिया। वह संघर्ष का समय था, लेकिन धीरे धीरे हालात बदले और आज यह आलम है कि ऋषि सुनक का परिवार ब्रिटेन के सबसे धनी 250 परिवारों में शुमार है।

पराली के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंची, भाजपा ने साधा केजरीवाल पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में इस समय वायु प्रदूषण अपने चरम पर हैं। दिवाली के बाद से ही दिल्लीवालों का सांस लेना मुश्किल हो गया हैं। आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या लोगों को हो रही हैं। लगातार पराली के कारण भी दिल्ली के हालात खराब होते जा रहे हैं ऐसे में दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को 'बहुत खराब' स्तर पर पहुंच गयी हैं। अब प्रदूषण को लेकर सियासत भी तेज हो गयी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस समय गुजरात में होने वाले चुनाव पर ध्यान दे रहे हैं। वह गुजरात में रैलियां कर रहे हैं। ऐसे में दिल्ली में छठ पर किए गये खराब इंतजाम और वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा कि दिल्ली इकाई ने केजरीवाल पर निशाना साधा है।

राष्ट्रीय राजधानी की बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, भाजपा की दिल्ली इकाई ने कहा कि केजरीवाल आसन्न संकट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। भाजपा के एक प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली को 'अंशकालिक' नहीं, 'पूर्णकालिक मुख्यमंत्री' की जरूरत है। दिल्ली के सीएम दूसरे राज्यमें सरकार बनाने में लगे हुए हैं। वह दिल्ली पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हरीश खुराना ने ट्विटर पर दिल्ली की वायु गुणवत्ता को 'खतरनाक' श्रेणी के तहत दिखाते हुए डेटा साझा किया। भाजपा दिल्ली इकाई द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रविवार, 30 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे वायु गुणवत्ता अपडेट की गई।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को 'बहुत खराब' श्रेणी में रही और हवा की रफ्तार धीमी होने व विशेष रूप से पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि से इसके 'गंभीर' होने का अनुमान है। केंद्र सरकारी की वायु गुणवत्ता समिति ने प्रदूषण का स्तर बदतर होता देख शनिवार को अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में आवश्यक परियोजनाओं को छोड़कर निर्माण व तोड़फोड़ संबंधी सभी गतिविधियों पर पाबंदी लगाने और चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत अन्य प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिया था। दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 367 रहा। शनिवार को 24 घंटे का एक्यूआई 397 दर्ज किया गया था। बृहस्पतिवार को यह 254, बुधवार को 271, मंगलवार को 302 और सोमवार को (दिवाली पर) 312 रहा था।

आनंद विहार (एक्यूआई 468) राजधानी का सबसे प्रदूषित स्थान रहा। वहीं, वजीरपुर (412), विवेक विहार (423) और जहांगीरपुरी (407)निगरानी स्टेशनों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पर्यावरण निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वी के सोनी ने कहा, 'प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के बीच शनिवार से दिल्ली-एनसीआर में धुंध की एक परत बनी हुई है।

इसके दो और दिनों तक बने रहने का अनुमान है। मंगलवार से कुछ राहत मिलने की संभावना है।' केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाली पूर्वानुमान एजेंसी 'सफर' ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी शनिवार को बढ़कर 21 फीसदी हो गई, जो इस साल अब तक सबसे ज्यादा है।

सफर के संस्थापक परियोजना निदेशक गुफरान बेग ने कहा कि रविवार को यह 40 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जिससे वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में जा सकती है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय रविवार को जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत लागू किए जाने वाले उपायों पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में बड़ा हादसा

मोरबी में कैबल ब्रिज टूटने से 500 से अधिक लोग मच्छू नदी में गिरे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोरबी,रविवार को गुजरात के मोरबी में बड़ा हादसा हुआ है। मोरबी में मच्छू नदी पर बना कैबल ब्रिज के अचानक टूटने से ब्रिज पर मौजूद 500 से अधिक लोग नदी में जा गिरे। जानकारी है कि इस हादसे में 10 जितने लोगों की मौत हो गई है। हादसा इतना बड़ी है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल युद्धस्तर पर बचाव कार्य किया जा रहा है। सौराष्ट्र के पेरिस कहे जाते मोरबी के राजा वाघजी ठाकोर ने मच्छू नदी पर 1890 में कैबल ब्रिज का निर्माण कराया था। मोरबी 1979 में विनाशक बाढ़ और 2001 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भी इस कैबल ब्रिज को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। करीब 120 साल पुराना यह ब्रिज पिछले 6 महीने से बंद था। हाल ही में 2 करोड़ रूपए से ब्रिज की मरम्मत करने के बाद नूतन वर्ष से इसे लोगों के लिए खोला गया था। बीते चार दिनों के भीतर करीब 12000 जितने लोगों ने इस ब्रिज पर आवागमन कर चुके हैं। रविवार को मोरबी के इस कैबल ब्रिज पर 500 से भी अधिक लोग मौजूद थे, उस वक्त अचानक वह टूट गया। घटना के वक्त ब्रिज मौजूद लोग नीचे बहती मच्छू नदी में जा गिरे। इस घटना में अब तक 10 लोगों की मौत होने की खबर है और यह आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। दूसरी ओर युद्धस्तर पर बचाव कार्य किया जा रहा है। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी मोरबी के लिए रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर कहा 'मोरबी में कैबल ब्रिज टूटने की दुर्घटना से काफी व्यथित हूं। प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। घायलों के तत्काल उपचार व्यवस्था करने की प्रशासन को आदेश दिया गया है। इस संदर्भ में जिला प्रशासन के साथ मेरा लगातार संपर्क बना हुआ है।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ट्वीट कर दुर्घटना को लेकर दुख जताया है। साथ ही दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को रु 50 हजार की सहायता देने की घोषणा की है। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुर्घटना को लेकर ट्वीट किया है। केजरीवाल ने ट्वीट में लिखा 'गुजरात से बेहद दु:खद खबर मिल रही है। मोरबी में ब्रिज टूट जाने से कई लोगों के नदी में गिर जाने की खबर है। भगवान से उनकी जान और स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूँ।'

उतर भारतीय छठ पूजा करने तापी नदी किनारे-तालाबों, पर बड़ी संख्याओं में छठी माँ की पूजा अर्चना किया.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लाखों उत्तर भारतीय सूरत शहर में रहते हैं। रोजगार की तलाश में आए लोग सूरत शहर में बस गए हैं। अब कई सालों से सूरत में रहकर सूरत में ही अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने छठ पूजा की परंपरा को आगे बढ़ाया। तापी नदी के तट पर छठ पूजा में भगवान सूर्य को विशेष महत्व दिया जाता है। पूजा सूर्यास्त के समय की जाती है। चूंकि यह भगवान दिवाकर की पूजा का त्योहार है, तापी नदी के तट पर उनकी पूजा करना बहुत फायदेमंद है। तापी नदी को सूर्य की पुत्री माना जाता है। तो तापी नदी के तट पर सूर्य पूजा का लाभ स्वाभाविक रूप से अधिक होता है। लाखों उत्तर भारतीय अपने परिवारों के साथ सूर्यास्त के समय तापी नदी के तट पर पूजा करते देखे गए। शहर में अलग-अलग जगहों पर आयोजन सूरत शहर में उत्तर भारतीयों की संख्या लाखों में होने के कारण तापी नदी के अलग-अलग तटों पर आइसोलेशन सिस्टम लगाया गया है. छठी पूजा की तैयारियों के तहत डिंडोली क्षेत्र में एक विशेष सरोवर भी तैयार किया गया है। बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय लोग आज यहां पूजा करने पहुंचे। इसके साथ ही जहांगीरपुरा नवाडी ओवारा सहित विभिन्न स्थानों पर छठी पूजा की व्यवस्था की गई।

गुजरात के मोरबी इलाके में टूटा केबल ब्रिज,60 लोगों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के मोरबी इलाके में माच्छू नदी में रविवार को एक केबल पुल गिरने से 60 लोगों गयी। हालाँकि गुजरात के मंत्री बृजेश मेरजा ने कहा है कि, मोरबी केबल ब्रिज गिरने से 35 लोगों की मौत हुई है। जबकि पूर्व भाजपा विधायक कांति अमृतिया मृतकों की संख्या 60 बता रहे हैं। जिनमें 10 बच्चे भी शामिल हैं। यह पुल दो करोड़ की लागत से मरम्मत के बाद चार दिन पहले ही खोला गया था।

इस घटना में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की आशंका है। बताया जाता है कि जब पुल गिरा उस समय उस पर करीब 500 लोग सवार थे। मौके पर बचाव कार्य जोरों से चल रहा है। गुजरात सरकार ने इस दुर्घटना की जिम्मेदारी ली है।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी मोरबी के लिए रवाना हो गए हैं। पीएम मोदी आज गुजरात में थे। उन्होंने गुजरात के सीएम को फोन करके स्थिति का जायजा लेने को कहा है। एसडीआरएफ की टीमें, फायर ब्रिगेड, स्टीमर को राजकोट, कच्छ से तुरंत मोरबी पहुंचाया जा रहा है।

मोरबी केबल ब्रिज कई साल पहले बना एक ऐतिहासिक पुल था। मरम्मत और जीर्णोद्धार के बाद गुजराती नववर्ष के अवसर पर २६ अक्टूबर को इस पुल का उद्घाटन किया गया था। रिपोर्टों के मुताबिक, पुल के नवीनीकरण के लिए सरकारी टेंडर ओधवजी पटेल के स्वामित्व वाले ओरेवा ग्रुप को दिया गया था।

घटना स्थल पर मौजूद गुजरात के पंचायत मंत्री बृजेश मेरजा ने कहा कि, मोरबी में हुए हादसे से हम वास्तव में दुखी हैं। पीएम मोदी ने मुझसे स्थिति के बारे में जानकारी ली और गुजरात के सीएम भी जायजा ले रहे हैं। स्थानीय नेता भी घायलों की मदद में जुटे हैं।

जरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। शाम को करीब साढ़े छह बजे मोरबी में पुल ढह गया। फायर ब्रिगेड, कलेक्टर, जिले के एसपी, डॉक्टर, एंबुलेंस महज 15 मिनट में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दावा किया है कि, हम वहां ज्यादातर लोगों को बचाने में सफल रहे हैं।हमें केंद्र से हर तरह की मदद मिल रही है। एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। गिरने से घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और संबंधित अधिकारियों से मोरबी में हुई दुर्घटना के संबंध में बात की। पीएम ने मोरबी में हुए हादसे में जान गंवाने वालों में से प्रत्येक के परिजनों के लिए क्क्ह्वत्रन्न से दो लाख रूपये की मदद राशि की घोषणा की है। प्रत्येक घायल को 50,000 रूपये दिए जाएंगे। राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार को चार लाख रूपये और प्रत्येक घायल को 50,000 रूपये का मुआवजा देगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में मोरबी केबल पुल गिरने की घटना पर चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोरबी में हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि इस विषय में उन्होंने गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी व अन्य अधिकारियों से बात की है। स्थानीय प्रशासन पूरी तत्परता से राहत कार्य में लगा है।

भारत जोड़ो यात्रा के तहत पदयात्रा कर रहे कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मोरबी की घटना पर दुख जताया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मोरबी हादसे पर दुख व्यक्त किया है।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने मोरबी की घटना को लेकर दुख जताया है। राघव चड्ढा ने कहा कि, गुजरात के मोरबी में ब्रिज टूटने की खबर से मन बेहद दुखी है। प्रभु से सभी पीड़ितों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।